दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 117 | संभल, गुरूवार 09 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, गाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्कयकता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...

पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

अब लैब टू लैंड नहीं, लैंड इज लैब का दौर

मुख्यमंत्री ने किया छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस 2026 का शुभारंभ



लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए व्यापक व दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि कृषि को प्रोडक्शन से प्रोडक्टिविटी, प्रोडक्टिविटी से प्रॉफिटेबिलिटी और अंततः प्रॉफिटेबिलिटी से प्रॉस्पेरिटी तक ले जाया जाए। विकसित व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी, किसान समृद्ध होगा। उत्पादन बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे लाभप्रद और टिकाऊ बनाना आवश्यक है। प्रोडक्शन से प्रॉस्पेरिटी तक की यह यात्रा ही भविष्य का मार्ग तय करेगी और उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में कृषि के विभिन्न आयामों पर गंभीर विचार-विमर्श होगा, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभवों, नवाचारों और सफल प्रयोगों को साझा किया जाएगा। मंच केवल चर्चा का नहीं, बल्कि ठोस एक्शन प्लान तैयार करने का माध्यम बनना चाहिए, जिससे किसानों को वास्तविक लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य देश की 16-17 प्रतिशत आबादी का निवास स्थान है, जबकि यहां केवल 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि उपलब्ध है। इसके बावजूद यूपी देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देता है। यह योजनाबद्ध प्रयासों, किसानों की मेहनत और प्रभावी नीतियों का परिणाम है। राज्य ने कृषि विकास दर को 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत तक पहुंचाने में सफलता प्राप्त की है, जो उल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत की ऐतिहासिक आर्थिक शक्ति का आधार कृषि रहा है। एक समय ऐसा था जब वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की भागीदारी 44-45 प्रतिशत तक थी और इसका मूल कारण यहां का सशक्त कृषि तंत्र था। उन्होंने बताया कि उस समय किसान केवल उत्पादक नहीं था, बल्कि वह कारीगर और उद्यमी था। वह उत्पादन के साथ प्रसंस्करण और निर्माण में भी भागीदारी करता था। लेकिन समय के साथ यह व्यवस्था कमजोर हुई और किसान केवल कच्चा माल उत्पादक बनकर रह गया।आधुनिक तकनीक के उपयोग पर विशेष बल देते हुए कहा कि इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन और सैटेलाइट तकनीक कृषि को नई दिशा दे सकते हैं। सेंसर आधारित तकनीक से मिट्टी की नमी और पोषण का डेटा प्राप्त कर किसान सटीक निर्णय ले सकते हैं। एआई के माध्यम से फसलों का रियल-टाइम विश्लेषण, रोगों की पहचान और उत्पादन का पूर्वानुमान संभव है। ड्रोन के जरिए उर्वरक और कीटनाशकों का सटीक छिड़काव तथा सैटेलाइट के माध्यम से मौसम और भूमि की निगरानी कृषि को अधिक वैज्ञानिक और प्रभावी बना रही है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके माध्यम से ऐसी बीज किस्मों का विकास किया जा सकता है, जो बदलते मौसम के अनुकूल हों और अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती को दीर्घकालिक समाधान बताते हुए कहा कि यह न केवल लागत को कम करती है, बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखती है।

ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर प्रतियोगिता का सीएम धामी ने किया वर्चुअल उदघाटन

19 टीमें पहुंची



टिहरी गढ़वाल (एजेंसी)। अखिल भारतीय स्तर के वाटर स्पोर्ट्स का सीएम धामी ने वर्चुअल शुभारंभ किया। 139 महिला और 299 पुरुष खिलाड़ी कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग के विभिन्न स्पर्धा में प्रतिभाग कर रहे हैं। टिहरी बांध की झील कोटी कालोनी में 25 वीं ऑल इंडिया पुलिस वाटर स्पोर्ट्स क्लस्टर प्रतियोगिता का सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल उदघाटन किया। देशभर के 19 पुलिस बलों के करीब 400 से अधिक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। रातभर से हो रही भारी बारिश के कारण ही सीएम धामी उद्घाटन के लिए टिहरी नहीं पहुंच पाए। ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की ओर से आयोजित वाटर स्पोर्ट्स की मेजबानी आईटीबीपी को सौंपी गई है। आज आठ अप्रैल से शुरू हुई पांच दिवसीय वाटर स्पोर्ट्स में शामिल होने वाली सभी 19 टीमों में शामिल आईटीबीपी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, असम राइफल, आंध्रा प्रदेश पुलिस, अंडमान पुलिस, चंडीगढ़ पुलिस, जेएंडके पुलिस, महाराष्ट्रा पुलिस, मणिपुर पुलिस, मध्य प्रदेश पुलिस, ओडिसा पुलिस, पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस, तमिलनाडू पुलिस, तेलांगाना पुलिस और यूपी पुलिस के 440 महिला और पुरुष खिलाड़ी टिहरी पहुंच हैं। प्रतिभागियों के बीच कैनोइंग की 18, कयाकिंग की 18 और रोइंग की 16 रेस आयोजित की जाएगी। डीआईजी ने बताया कि कैनोइंग और कयाकिंग में 200 मीटर, 500 और 1000 मीटर की दौड़ आयोजित की जाएंगी।

फर्जी पुलिस क्लीयरेंस से चल रहा था 25 लोगों की जान लेने वाला नाइट क्लब

नईदिल्ली (एजेंसी)। गोवा का वह नाइट क्लब, जिसमें 25 लोग मारे गए थे, वहां फायर सेफ्टी विभाग की एनओसी नहीं थी। क्लब, फर्जी पुलिस क्लीयरेंस पर चल रहा था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने गोवा के अरपोरा स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के अवैध संचालन से संबंधित जांच के सिलसिले में 17.45 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। ईडी ने क्लब संचालक सौरभ लूथरा और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 के विभिन्न प्रावधानों के तहत अंजुना पुलिस स्टेशन और मापुसा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की थी। उक्त एफआईआर न केवल 06.12.2025 के दुखद अग्निकांड से संबंधित हैं, जिसमें 25 लोगों की जान चली गई और कई लोग घायल हो गए, बल्कि नियामक अनुमोदन प्राप्त करने के उद्देश्य से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) सहित वैधानिक दस्तावेजों की बड़े पैमाने पर जालसाजी और हेराफेरी से संबंधित अपराधों से भी संबंधित हैं। पीएमएलए के तहत की गई जांच में पता चला है कि मेसर्स बीइंग जीएस हॉस्पिटैलिटी गोवा अरपोरा एलएलपी द्वारा अनिवार्य वैधानिक स्वीकृतियों, जिनमें आवश्यक अग्नि सुरक्षा एनओसी भी शामिल है।

जयपुर मेट्रो फेज-2 से लेकर खाद सब्सिडी तक

कैबिनेट ने इन पांच बड़े फैसलों को दी मंजूरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 1.74 लाख करोड़ रुपये के पांच बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इसमें जयपुर मेट्रो, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल रिफाइनरी और दो हाइड्रो परियोजना शामिल हैं। आइए, विस्तार से जानते हैं कि किस परियोजना के लिए सरकार ने कितना पैसा लगाया है। साथ ही ये भी समझेंगे कि ये कितनी अहम हैं। देश के विकास को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कुल 1,74,207 करोड़ रुपये के पांच बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन फैसलों में जयपुर मेट्रो फेज-2, किसानों के लिए खाद सब्सिडी, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी और अरुणाचल प्रदेश के दो बड़े हाइड्रो की परियोजनाएं भी शामिल हैं। सरकार ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को 13,038 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी है। यह 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा जिसमें 36 स्टेशन बनेंगे और यह प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। वहीं, खरीफ 2026 के लिए 41,534 करोड़ रुपये की खाद सब्सिडी भी मंजूर की गई है। इससे किसानों को डीएपी और अन्य उर्वरक सस्ती कीमत पर मिलेंगे और खेती की लागत कम होगी। आइए, सरकार द्वारा सभी लिए गए फैसलों पर नजर डालते हैं। और आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं। जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना जयपुर मेट्रो फेज-2 शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को पूरी तरह बदलने वाली परियोजना मानी जा रही है। यह 41 किलोमीटर लंबा नॉर्थ-साउथ कॉरिडोर होगा, जो प्रहलादपुरा से टोडी मोड तक जाएगा। इस रूट में 36 स्टेशन होंगे और यह शहर के बड़े इलाकों जैसे एयरपोर्ट, सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, टोंक रोड और एसएमएस अस्पताल को जोड़ेगा। इससे लोगों को तेज, सस्ता और आसान सफर मिलेगा।



सांसद जनता का प्रतिनिधि है, मुख्यमंत्री का खिलौना नहीं- अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवि किशन की एक कथित टिप्पणी को लेकर उन पर तंज कसते हुए कहा कि वह जन प्रतिनिधि हैं, न कि मुख्यमंत्री का खिलौना। रवि किशन ने खुद को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए स्ट्रेस बस्टर (तनाव दूर करने वाला) बताया था, जिसे लेकर कई प्रतिक्रियाएं आई हैं। सपा प्रमुख ने एक्स पर एक पोस्ट में, सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए उसकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाया और उस पर जनता के मुद्दों के प्रति असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सासंद जनता का प्रतिनिधि होता है,



मुख्यमंत्री का खिलौना नहीं। यह भाजपा सरकार है या सर्कस? उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता दुख-दर्द-दिक्कतों का सामना कर रही है और भाजपा सरकार के लोग आपस में विदूषक-विदूषक के खेल का आनंद ले रहे हैं। ऐसे जन प्रतिनिधियों के कारण ही गोरखपुर आज शर्मिंदा है। कन्नौज से सपा सांसद ने कहा कि वैसे इस बात का खुलासा करने के लिए सांसद जी (रवि किशन) को दंड जरूर मिलेगा कि मुख्यमंत्री जी स्ट्रेस में हैं। जब सत्ता जाना तय हो गया है और उनके अत्याचार व भ्रष्टाचार के कारण जनता आक्रोशित है, ऐसे हालात में उन्हें तनाव तो होगा ही। सपा प्रमुख का यह पोस्ट मीडिया में आई उन खबरों पर आधारित है जिनमें कहा गया है कि गोरखपुर से सांसद रवि किशन ने कहा था कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनकी संगत पसंद है और वह उनके लिए स्ट्रेस बस्टर का काम करते हैं। मुख्यमंत्री को अक्सर गोरखपुर में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों में सांसद रवि किशन की चुटकी लेते और उन पर हास्यकृविनोद वाली टिप्पणियां करते देखा जाता है। सपा प्रमुख की टिप्पणियों पर भाजपा या रवि किशन की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

कांग्रेस ने दूसरे चरण के लिए सात सीटों पर बदले उम्मीदवार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए कांग्रेस ने अपनी सूची में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी ने 7 सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं और एक नई सूची जारी की है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच, कांग्रेस ने दूसरे चरण के चुनाव के लिए अपनी सूची में एक बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने 8 अप्रैल को एक नई सूची जारी की, जिसमें 7 सीटों पर अपने पहले घोषित उम्मीदवारों को बदल दिया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से यह सूची जारी की गई है। इस सूची में कुल 8 उम्मीदवारों के नाम हैं। इनमें से 7 उम्मीदवार पहले घोषित किए गए प्रत्याशियों की जगह लेंगे, जबकि हावड़ा सीट पर प्रणब भट्टाचार्य को नया उम्मीदवार बनाया गया है।

मॉरीशस और यूएई के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 9 से 12 अप्रैल तक मॉरीशस और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा करेंगे। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने बुधवार को दी। मॉरीशस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर 9वें हिंद महासागर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके साथ ही द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा के लिए मॉरीशस के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, वे नौवें हिंद महासागर सम्मेलन में मुख्य भाषण भी देंगे। इसके अलावा, विदेश मंत्री अन्य प्रतिभागी देशों के समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे। यह दौरा भारत की पड़ोसी पहले नीति, विजन महासंघ और वैश्विक दक्षिण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यात्रा के दूसरे चरण में, विदेश मंत्री जयशंकर 11 अप्रैल से संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। दो दिवसीय यात्रा के दौरान, वे संयुक्त अरब अमीरात के नेतृत्व से मुलाकात करेंगे।

प्रियंका गांधी ने सीएम हिमंत के बयान पर पीएम मोदी को घेरा

पूछा- क्या आप टिप्पणी का समर्थन करते हैं?

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ की गई अपमानजनक भाषा की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अत्यंत शर्मनाक बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा है कि क्या वह इस अपमान का समर्थन करते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब मंगलवार को हिमंत बिस्वा सरमा ने मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बुढ़ापे के कारण पागल आदमी की तरह बोल रहे हैं। यह



टिप्पणी तब आई जब खरगे ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ लगे आरोपों की जांच केंद्रीय एजेंसियों से कराने की बात कही थी। प्रियंका गांधी का तीखा प्रहार प्रियंका गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा 'असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ जिस तरह की अपमानजनक और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है, वह अत्यंत शर्मनाक और अस्वीकार्य है।' उन्होंने आगे कहा कि खरगे देश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और वे न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि दलितों और राष्ट्र के वंचित वर्गों के एक प्रबुद्ध प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा उनका अपमान करके, भाजपा के मुख्यमंत्री ने देश भर के करोड़ों लोगों का अपमान किया है। प्रधानमंत्री से स्पष्टीकरण की मांग प्रियंका गांधी ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्र को स्पष्ट करना चाहिए: क्या वह करोड़ों भारतीयों को निर्देशित इस अपमान का समर्थन करते हैं?

नामांकन के बाद सीएम ममता बनर्जी की हुंकार : बंगाल में एसआईआर पर कानूनी लड़ाई जारी रहेगी

कोलकाता (एजेंसी)। एसआईआर में मतदाता सूची से 91 लाख से ज्यादा नाम हटाए जाने से पश्चिम बंगाल में सियासत फिर गरमा सकती है। यह मामला पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महत्वपूर्ण है, जहां तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर सत्ता में वापसी करने की कोशिश कर रही है। मतदाता सूची से नामों को हटाने के मुद्दे से ममता बनर्जी ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद राज्य की मतदाता सूची



से लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार ममता बनर्जी ने मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नामों को हटाए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है और अगर जरूरी हुआ तो वे फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी। मता बनर्जी ने कहा, मुझे बेहद दुख है कि एसआईआर में कई नाम हटा दिए गए हैं। अदालत में याचिका दायर करने के बाद कुछ नाम बहाल किए गए। आदेश के अनुसार, जिन मामलों पर सुनवाई चल रही थी, उन्हें शामिल किया जाना था।

राजधानी में 12 घंटे रिमझिम बारिश, फ्लाइटें प्रभावित

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आंधी के बाद 12 घंटे से ज्यादा देर तक रिमझिम बारिश हुई। इससे बुधवार सुबह अधिकतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की गिरावट हुई। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। खराब मौसम के कारण 4 फ्लाइटें प्रभावित रहीं। बीकेटी में सैकड़ों बीघा गेहूं की फसल को नुकसान हुआ। दिन में धूप निकलने पर अधिकतम तापमान 26 से 28



डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग ने 24 से 48 घंटे तक आंधी-पानी का असर बना रहने की संभावना जताया है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 34.5 और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया था। सोमवार को लखनऊ का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया था। यह सामान्य तापमान की तुलना में 3.8 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 17.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान की तुलना में 2.1 डिग्री कम रहा। अधिकतम आर्द्रता 79 फीसदी न्यूनतम आर्द्रता 24 फीसदी दर्ज की गई।

'गुजरात के अपमान' पर सियासी रार! कांग्रेस अध्यक्ष बोले- मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केरल में दिए अपने एक चुनावी भाषण पर सफाई दी है। उन्होंने अपने बयान पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। खरगे ने साफ किया कि उनका इरादा गुजरात के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों के प्रति उनके मन में हमेशा सर्वोच्च सम्मान रहा है और आगे भी रहेगा। क्यों हुआ था विवाद? यह विवाद तब शुरू हुआ जब खरगे ने केरल के इडुक्की जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। वहां उन्होंने केरल के लोगों की शिक्षा



और समझदारी की तारीफ की थी। इसी दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे उन लोगों को मूर्ख बना सकते हैं जो कम पढ़े लिखे हैं, जैसा कि गुजरात और कुछ अन्य जगहों पर होता है। उन्होंने कहा था कि केरल के जागरूक मतदाताओं को गुमराह करना मुमकिन नहीं है। बयान पर भाजपा ने क्या कहा? इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इसे कांग्रेस की बांटो और राज करो वाली मानसिकता बताया। वहीं, वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने इस टिप्पणी को शर्मनाक करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महात्मा गांधी, सरदार पटेल और मोरारजी देसाई जैसे महान व्यक्तित्व भी अनपढ़ थे? भाजपा ने खरगे से सार्वजनिक माफी की मांग की थी और सोनिया गांधी व राहुल गांधी से भी इस पर रुख साफ करने को कहा था। शशि थरूर ने भी दी थी प्रतिक्रिया वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी इस मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति में बातचीत का स्तर लगातार गिर रहा है। हमें अपनी भाषा का स्तर उन लोगों जैसा नहीं करना चाहिए जो अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
गुरूवार, 09 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

पश्चिम बंगाल में चुनाव

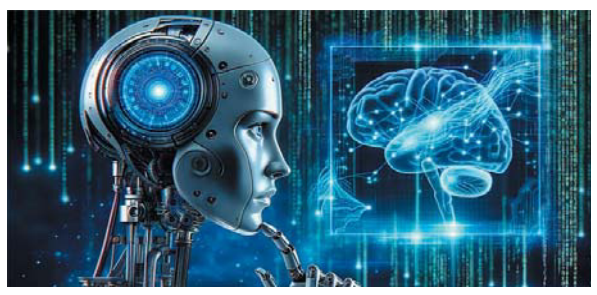
पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में इस बार घमासान कुछ अलग ही तरह का होने वाला है। यहां मुख्य मुकाबला लगातार सत्ता में आ रही तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। बंगाल में 294 सीटों के लिए दो चरणों 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा और परिणाम की घोषणा 4 मई को होगी। इस चुनाव में ममता बनर्जी को रोकने भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चुनाव की बागडोर संभालते हुए रैलियां कर रहे हैं। इनका इरादा सभी राज्यों में भाजपा की सरकारें बनाकर ताकत दिखाने का है। वैसे भी लंबे समय से भाजपा के निशाने पर ममता बनर्जी और उनकी नीतियां रही हैं। यह टकराहट बार-बार किसी न किसी कारण से सामने आती रही है। ममता बनर्जी भी इस लड़ाई में भले ही अकेली पड़ रही हैं लेकिन झुकने को तैयार नहीं है। जिससे मुकाबला रोचक स्थिति में है। खास बात यह है कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह 15 दिनों तक राज्य में रुककर बूथ-स्तरीय प्रबंधन संभाल रहे हैं। यानी कि भाजपा किसी भी तरह की चूक नहीं होने देना चाहती। इसीलिए रणनीति की पूरी जिम्मेदारी अमित शाह के पास है। भाजपा ने ममता बनर्जी के खिलाफ आक्रामक प्रचार करते हुए 170 प्लस सीटों का लक्ष्य रखा है। भाजपा की बूथ-स्तरीय रणनीति माइक्रो-लेवल पर काम कर रही है, जिसमें बूथ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जहां तक प्रचार की बात है तो इसके लिए 40 से अधिक प्रमुख नेताओं और स्टार प्रचारकों की सूची जारी की गई है, जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जैसे चेहरे भी शामिल हैं। अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट पर जीत को 'शॉर्टकट' बताया है और वहां सुवेंदु अधिकारी को कमान सौंपी है। पिछले विधानसभा चुनाव में सुवेंदु ने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को पराजित किया था। चुनाव प्रचार में भाजपा भ्रष्टाचार, महिलाओं की सुरक्षा, बेरोजगारी और घुसपैठ जैसे मुद्दों पर ममता सरकार को घेर रही है। 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा 170 से अधिक सीटों पर जीत का दावा कर रही है। बंगाल के चुनावी परिदृश्य में भाजपा का यह आक्रामक रुख 2021 की हार के बाद राज्य में सत्ता हासिल करने की उसकी दृढ़ता को दर्शाता है। वैसे भारतीय जनता पार्टी के सबसे पहले संगठन जनसंघ की स्थापना बंगाल के श्याम प्रसाद मुखर्जी ने की थी। हालांकि बंगाल में एक बार भी इनकी सरकार नहीं बन सकी है। 2016 के बाद से भाजपा ने खुद को बंगाल में मजबूत जरूर किया है। जबकि 2001 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को शून्य सीटें मिली थीं, उसका वोट शेयर भी मात्र पांच फीसदी था। लेकिन 2016 में पहली बार बंगाल की राजनीति में एक बड़ा परिवर्तन आया जब विधानसभा चुनाव में तीन सीटें जीती और उसका वोट शेयर 10 फीसदी हो गया। इसके बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक उछाल देखने को मिला और भाजपा सीधे मुख्य विपक्षी दल के रूप में सामने आई। इस चुनाव में उसने 77 सीटें अपने नाम की और वोट शेयर 38 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह ऐसा चुनाव रहा जिसमें दो स्थानों से चुनाव लड़ी ममता बनर्जी को नंदीग्राम से पराजय का सामना करना पड़ा। कुल मिलाकर यह चुनाव ममता के राजनीतिक भविष्य को तय करेगा जबकि भाजपा के लिए एक और राज्य पर शासन करने की मंशा को पूर्ण कर सकता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक व्यापार के नए आयाम

सामयिक



डॉ. सचिन सिंह



केंद्रीय बजट 2026-27 एक ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया है। इस बजट में सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल प्रौद्योगिकी का उपभोक्ता नहीं, बल्कि उसका निर्माता और नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, वह न केवल आर्थिक विकास का रोडमैप है, बल्कि 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने का एक सुनियोजित प्रयास है। वैश्विक स्तर पर जब अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा चरम पर है, और यूरोपीय संघ अपनी एआई नीतियों को पुनर्परिभाषित कर रहा है, तब भारत का यह बजट एक स्वतंत्र और आत्मनिर्भर तकनीकी शक्ति के रूप में उभरने की महत्वाकांक्षा प्रदर्शित करता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में आए व्यवधान के बाद दुनिया भारत को एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में देख रही है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: विकास का नया इंजन- इस बार के बजट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सर्वाधिक महत्व मिला है। इंडिया एआई मिशन के लिए 2,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी छलांग है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है सरकार का यह विश्वास कि एआई केवल शहरी कार्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गांवों के खेतों तक पहुंचेगा। भारत विस्तार योजना इसका प्रमुख उदाहरण है। यह बहुभाषी एआई प्लेटफॉर्म किसानों को उनकी भाषा में फसल योजना, मिट्टी स्वास्थ्य, मौसम पूर्वानुमान और बाजार की जानकारी देगा। कल्पना कीजिए - एक किसान अपने मोबाइल पर हिंदी, तमिल या पंजाबी में सवाल पूछता है और उसे तुरंत वैज्ञानिक सलाह मिल जाती है। यह डिजिटल विभाजन को पाटने का सशक्त माध्यम बन सकता है।

सरकार ने यह भी प्रस्तावित किया है कि 15,000 स्कूलों में एआई प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी और प्रमुख संस्थानों में 10,000 नई प्रौद्योगिकी फैलोशिप दी जाएंगी। यह दीर्घकालिक सोच को दर्शाता है। आज का छात्र कल का इनोवेटर होगा। आईआईटी और अन्य संस्थानों में प्रशिक्षित युवा भारत को एआई अनुसंधान में वैश्विक अग्रणी बना सकते हैं। बजट में एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के गठन की भी घोषणा की गई है, जो एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों का रोजगार पर प्रभाव का आकलन करेगी। यह साहसिक कदम है। सरकार यह स्वीकार कर रही है कि तकनीकी परिवर्तन से नौकरियों पर असर होगा, और इसलिए कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण की जरूरत होगी। यह नीतिगत परिपक्वता का संकेत है।

व्यापार और निर्यात: नई वैश्विक भूमिका- वैश्विक व्यापार परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, और संरक्षणवाद की बढ़ती लहर - इन सभी चुनौतियों के बीच भारत अवसर तलाश रहा है। बजट 2026 इसी रणनीति का प्रतिबिंब है। हाल के महीनों में वैश्विक निवेशक भारत की ओर विशेष ध्यान दे रहे हैं। चीन से उत्पादन स्थानांतरण की प्रक्रिया में भारत एक प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में भारत अब केवल घरेलू बाजार नहीं, बल्कि निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। यह बजट इस संक्रमण को गति देने का प्रयास करता है। सरकार ने स्पष्ट लक्ष्य रखा है - 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना। इसके लिए शिक्षा से रोजगार तक एक स्थायी समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति यह सुनिश्चित करेगी कि हमारी शिक्षा प्रणाली वैश्विक मांग के अनुरूप कौशल पैदा करे। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। कूरियर निर्यात पर 10 लाख रुपए की सीमा हटा दी गई है। यह छोटे निर्यातकों और ई-कॉमर्स व्यवसायों के लिए बड़ी राहत है। अब एक कारीगर अपना हस्तशिल्प सीधे विदेशी ग्राहकों को भेज सकता है, बिना जटिल प्रक्रियाओं के। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में सुधार और सीमा शुल्क प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण भी महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत ने पिछले छह वर्षों में आठ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। हाल ही में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताएं तेज हुई हैं। ये समझौते भारतीय उत्पादों को वरीयता दिलाएंगे और हमारे निर्यात को बढ़ावा देंगे।

डेटा सेंटर और डिजिटल संप्रभुता- बजट में एक क्रांतिकारी प्रावधान है - विदेशी कंपनियों को 2047 तक कर छूट दी जाएगी यदि वे भारत में स्थित डेटा सेंटरों से वैश्विक क्लाउड सेवाएं प्रदान करती हैं। यह केवल निवेश आकर्षित करने का उपाय नहीं है; यह डिजिटल संप्रभुता की ओर एक रणनीतिक कदम है।

जहां डेटा रहता है, वहीं नवाचार होता है। भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि भारतीय डेटा भारत में रहे और इसका उपयोग भारतीय हितों के लिए हो। 38,000 जीपीयू की कंप्यूटिंग क्षमता स्थापित करने की योजना है, जो एआई स्टार्टअप्स को सस्ती दर पर उपलब्ध होगी। यह दृष्टिकोण मुंबई और नवी मुंबई जैसे शहरों के लिए वरदान साबित होगा, जहां पहले से ही सबसी केबल लैंडिंग होती है। डेटा सेंटर रोजगार सृजन और विदेशी मुद्रा अर्जन के बड़े स्रोत बन सकते हैं।

चुनौतियां और अवसर - हालांकि बजट की घोषणाएं महत्वाकांक्षी हैं, लेकिन क्रियान्वयन की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पिछले वर्ष एआई मिशन के लिए आवंटित राशि पूरी तरह खर्च नहीं हो पाई थी। यह सवाल उठाता है कि क्या हमारी प्रशासनिक मशीनरी इतनी तेजी से काम कर सकती है। छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए 10,000 करोड़ रुपये की वृद्धि निधि की घोषणा सराहनीय है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका लाभ कैसे पहुंचेगा, यह देखना होगा। एमएसएमई भारत के निर्यात की रीढ़ हैं। उन्हें न केवल धन, बल्कि तकनीकी सहायता और बाजार तक पहुंच की भी जरूरत है।

वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिका की नई टैरिफ नीतियां और यूरोप में बदलती राजनीतिक हवाएं भारतीय निर्यातकों के लिए चुनौती पेश करती हैं। इस परिप्रेक्ष्य में घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मध्य पूर्व में तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष की चल रही छाया वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर रही है। ऐसे में भारत की विदेश नीति और आर्थिक कूटनीति का संतुलन महत्वपूर्ण है। बजट में विशेष आर्थिक क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने के प्रयास इसी दिशा में हैं।

निष्कर्ष: एक नए युग की दहलीज पर-बजट 2026 भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह उस भारत की तस्वीर पेश करता है जो न केवल उपभोक्ता बाजार है, बल्कि नवाचार और निर्माण का केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश और व्यापार सुविधाओं में सुधार - ये दोनों मिलकर भारत को 21वीं सदी की वैश्विक अर्थव्यवस्था में अग्रणी भूमिका दिला सकते हैं। लेकिन घोषणाओं और क्रियान्वयन के बीच का फासला तय करना होगा। नीतियों को धरातल पर उतारने के लिए मजबूत संस्थागत तंत्र, कुशल प्रशासन और सभी हितधारकों के बीच समन्वय आवश्यक है। यदि यह हो पाता है, तो 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना सिर्फ सपना नहीं, बल्कि हकीकत बन सकती है। आखिरकार, यह बजट हमें याद दिलाता है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के इस दौर में न केवल पूंजी, बल्कि प्रतिभा, तकनीक और दूरदर्शिता की जरूरत है। भारत के पास ये सभी संसाधन हैं - अब समय है उन्हें सही दिशा में लगाने का।

(लेखक केन सोसायटीज नेहरू पीजी कॉलेज हरदोई में अर्थशास्त्र विभाग में सहायक प्राध्यापक हैं)

डिजिटलीकरण

अदालतों में एआई की तय हों सीमाएं



लालजी जायसवाल

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की सख्त चेतावनी ने न्याय व्यवस्था के सामने उभर रहे एक नए और गंभीर खतरे को स्पष्ट कर दिया है। अदालत ने कहा है कि एआई से उत्पन्न अस्तित्वहीन या गलत फैसलों का हवाला देना न केवल न्यायिक प्रक्रिया को गुमराह करता है, बल्कि न्याय की बुनियादी नींव जैसे सत्य, तर्क और विश्वसनीयता को भी कमजोर करता है। डिजिटल युग में, जहां सूचना तक पहुंच पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है, वहीं गलत या मनगढ़ंत जानकारी का प्रसार भी उतनी ही तेजी से बढ़ा है। आज एआई टूल्स, जैसे चैटजीपीटी आम लोगों से लेकर पेशेवरों तक के काम का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन बिना सत्यापन के इन पर अत्यधिक निर्भरता खतरनाक परिणाम ला सकती है, खासकर न्यायपालिका जैसे संवेदनशील क्षेत्र में, जहां हर तथ्य और तर्क का सटीक होना अनिवार्य है। हाल ही के मामलों में यह सामने आया है कि एआई द्वारा गढ़े गए नकली निर्णयों और संदर्भों को अदालत में प्रस्तुत किया गया, जिससे न केवल न्यायिक समय की बर्बादी हुई, बल्कि न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर न्यायालयों के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरी है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि तकनीक के उपयोग और उसकी सीमाओं के बीच स्पष्ट संतुलन स्थापित किया जाए। एआई एक सहायक उपकरण हो सकता है, लेकिन इसे अंतिम सत्य मान लेना गंभीर भूल साबित हो सकता है। इसलिए, वर्तमान समय की मांग है कि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ जिम्मेदारी और सतर्कता को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जाए, ताकि न्याय की गरिमा और निष्पक्षता अक्षुण्ण बनी रहे। फिलहाल गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि एआई न्यायिक प्रणाली में सहायक हो सकता है, जैसे डेटा संभालना, पैटर्न पहचानना और देरी कम करना। लेकिन निर्णय सुनाना और अंतिम फैसले हमेशा मानव न्यायाधीश के हाथ में होने चाहिए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे।

न्याय पर प्रभाव: अदालतों में एआई आधारित तर्कों और निर्णयों के बढ़ते उपयोग का न्यायिक प्रक्रिया पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यदि एआई द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी अपूर्ण, त्रुटिपूर्ण या तथाकथित फर्जी मिसालों पर आधारित हो, तो इससे न्यायाधीशों के निर्णय प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। न्याय एक संवेदनशील प्रक्रिया है, जहां प्रत्येक तथ्य और प्रमाण की शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, ऐसे में एआई की त्रुटियां गलत फैसलों को जन्म दे सकती हैं। इसका परिणाम यह हो सकता है कि निर्दोष व्यक्ति दंडित हो जाए या दोषी सजा से बच निकले। इसके साथ ही, न्यायपालिका की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लग सकता है, जिससे आम जनता का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। इसके अतिरिक्त, एआई में काल्पनिक तथ्यों को प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति भी एक गंभीर चुनौती है, जो न्यायिक प्रक्रिया को भ्रमित कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि एआई का उपयोग केवल सहायक साधन के रूप में ही किया जाए, न कि अंतिम निर्णय के आधार के रूप में। न्याय सुनिश्चित करने के लिए मानव विवेक, अनुभव और गहन परीक्षण को सर्वोपरि रखना ही इस चुनौती का सबसे प्रभावी समाधान है। एआई का उपयोग न्याय प्रणाली में दक्षता बढ़ाने का एक शक्तिशाली साधन हो सकता है किंतु इसके नैतिक और तकनीकी जोखिमों को संबोधित करना आवश्यक है। स्पष्ट दिशानिर्देश एवं मानवीय निरीक्षण के साथ एआई त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मालूम हो कि एआई केवल एक उपकरण है, इसे कानून गढ़ने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अगर एआई का समझदारी से उपयोग किया जाए तो यह कानूनी कामकाज को आसान बना सकता है और समय बचा सकता है, लेकिन यह किसी भी हालत में वकील की समझ, अदालत के अधिकारी की नैतिक जिम्मेदारी या जज के संतुलित निर्णय की जगह नहीं ले सकता।

एआई चिंता का विषय: गौरतलब है कि एआई का गलत इस्तेमाल एक गंभीर चिंता का विषय है। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह से तकनीक से दूरी बना ले। सही रास्ता यह है कि एआई का इस्तेमाल समझदारी, नैतिक जिम्मेदारी और पेशेवर मानकों के साथ किया जाए। लोगों को यह सीखना होगा कि इन तकनीकी उपकरणों का उपयोग सावधानी से करें और उनकी सीमाओं को भी समझें। नई तकनीकें कई तरह की सुविधाएं लेकर आती हैं। इससे न्याय तक लोगों की पहुंच बढ़ सकती है और कामकाज में पारदर्शिता भी आ सकती है। लेकिन इसके साथ यह खतरा भी रहता है कि इससे असमानता बढ़ सकती है या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल के समय में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं जब एआई से तैयार सामग्री को बिना जांचे-परखे अदालत में पेश कर दिया गया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में भी ऐसे उदाहरण मिले हैं, जहां ऐसी कानूनी मिसालों और फैसलों का हवाला दिया गया जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं। बहरहाल, गलत या झूठे संदर्भ देना केवल तकनीकी गलती नहीं है, बल्कि इससे कानूनी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और न्यायिक व्यवस्था की गरिमा पर असर पड़ता है। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक बढ़ती है, डेटा सुरक्षा, गोपनीयता, मानवाधिकार और नैतिकता के बारे में चिंताएं नई चुनौतियां पेश करेंगी और इन प्रौद्योगिकियों के डेवलपर्स द्वारा बड़े आत्म-नियमन की आवश्यकता होगी। इसके लिए विधायिका द्वारा कानून, नियमों, विनियमों एवं न्यायपालिका द्वारा न्यायिक समीक्षा और संवैधानिक मानकों के माध्यम से बाह्य विनियमन की भी आवश्यकता होगी।

अदालतों में एआई का उपयोग: भारतीय न्यायालयों में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। मालूम हो कि एआई-संचालित उपकरण लंबित प्रक्रियाओं में तेजी ला सकते हैं, जिससे न्यायाधीशों को मूल मामलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्वतंत्रता मिलेगी। एआई मतलब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कानूनी उदाहरणों और मुकदमों का भी विश्लेषण कर सकता है तथा ऐतिहासिक डाटा प्रदान कर सकता है जो उचित निर्णय लेने एवं मुकदमेंबाजी के रणनीतिक विकास में सहायक होता है। एआई साक्ष्य संग्रहण, सत्यापन और विश्लेषण में सहायता कर सकता है, विशेष रूप से बड़े डाटासेट, फोरेंसिक साक्ष्य या डिजिटल धोखाधड़ी से जुड़े जटिल मामलों में। गुजरात स्थित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय डिजिटल साक्ष्यों का विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एकीकृत कर रहा है, जिससे साइबर अपराध की जांच में तेजी आएगी। दिल्ली के तीस हजारी जिला न्यायालय ने स्पीच-टू-टेक्स्ट सुविधा से युक्त अपना पहला एआई सुसज्जित 'पायलट हाइब्रिड कोर्ट' शुरू किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित प्लेटफॉर्म संचार और संवाद ट्रैकिंग को स्वचालित करके मध्यस्थता एवं पंच निर्णय प्रक्रियाओं को सरल बना सकते हैं। बता दें कि भारत के कोर्टरूम में और सामान्य तौर पर वकीलों और इंटर्न्स द्वारा एआई का सबसे बड़ा उपयोग ड्राफ्टिंग में हो रहा है। इसमें केस ब्रीफ, कॉन्ट्रैक्ट, दस्तावेज़, ऑर्डर, जजमेंट और डिक्री आदि तैयार करना शामिल है। इससे पहले, ड्राफ्टिंग न्यायिक अधिकारियों द्वारा मैन्युअली की जाती थी, जिसमें लॉ क्लर्क और सचिवीय स्टाफ मदद करते थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सुविधा, समय बचाने और बेहतर समर्थन की क्षमता भारतीय न्यायपालिका जैसी भारी प्रणाली में बहुत आकर्षक है। इसमें कहा गया कि अदालतों की समस्याएं, जैसे लंबित मामलों की संख्या, एआई टूल्स के उपयोग से कम हो सकती हैं।

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार हैं)

विचारबोध

भारतीयता में समाहित है वैश्विक कल्याण का मार्ग



प्रो. एसके सिंह

वर्तमान में अविश्वास की परतों से घिरी हुई विश्व व्यवस्था अनेक प्रकार के संघर्षों एवं अस्थिरताओं से जूझ रही है। ईरान बनाम अमेरिका-इजराइल युद्ध, अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में की गई असंगत कार्रवाई, लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव एवं बढ़ती असहिष्णुता इस बात का प्रमाण है कि आज विश्व गहरे संकट से गुजर रहा है। पिछले कुछ समय की सैन्य गतिविधियों को देखकर तो ऐसा लग रहा है कि विश्व-व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ा गई है एवं धीरे-धीरे दुनिया 'जंगलराज' की ओर बढ़ रही है। टैरिफ को लेकर ट्रंप के अपरिपक्व एवं गैर-जिम्मेदार रवैये तथा पल-पल बदलते उनके बचकाना बयानों ने भू-मण्डलीकरण के मूल उद्देश्यों पर ही प्रश्न-चिन्ह खड़ा कर दिया है। जिस भू-मण्डलीकरण को परस्पर निर्भरता, वैश्विक सहयोग एवं साझा प्रगति का आधार माना गया था, आज वह कमजोर पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इन विशम परिस्थितियों में भारतीय दर्शन, भारत की संस्कृति अर्थात् 'भारतीयता' एक ऐसा विकल्प है जो विश्व में स्थायी शांति, संतुलन, समन्वय एवं सहयोग का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

हजारों सालों से पूरी पृथ्वी को एक मानने एवं मानवता के समग्र कल्याण पर आधारित 'वसुधैव कुटुम्बकम', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' जैसे भारतीय सिद्धान्तों में विकास और प्रगति का अर्थ किसी एक व्यक्ति या किसी एक राष्ट्र का हित नहीं बल्कि समग्र रूप में पूरी मानवता का कल्याण करना है, अर्थात् 'स्व' से 'सर्व' की यात्रा ही भारतीयता है। भारतीयता के इस मूल भाव को भारतीय जीवन दृष्टि के विभिन्न पहलुओं में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। भारतीयता का एक महत्वपूर्ण आयाम प्रकृति के साथ निकटता, सामंजस्य एवं संतुलन रखना है। यही कारण है कि भारतीय परंपरा में वृक्षों, नदियों, पर्वतों एवं धरती को पूजनीय माना गया है, जिसमें यह मान्यता है कि प्रकृति के साथ समन्वय रखकर ही पृथ्वी को बचाकर जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। सत्य, परोपकार, त्याग, दया, करूणा, अहिंसा, सहिष्णुता, नैतिकता, भक्ति, समर्पण, संयम और राष्ट्रप्रेम जैसे भारतीय जीवन मूल्य, मूल्य आधारित भारतीयता की आत्मा हैं। कई तरह की विविधताओं के बावजूद 'अनेकता में एकता' भी भारतीयता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। 'सांई इतना दीजिए जामें कुटुम्ब समाय' अर्थात् हमें उतना ही संचय करना चाहिए, जितना आवश्यक है। भारतीय मूल्यों की यह गहन अभिव्यक्ति भारतीयता के उस पहलू को उजागर करती है जहां व्यक्तिगत और सामूहिक हित साथ-साथ चलते हैं। इसके विपरीत पाश्चात्य चिंतन के मूल में व्यक्ति, भौतिकता, बाहरी दुनिया एवं बाहरी उपलब्धियां हैं। इसलिए पश्चिम का मूल स्वभाव स्वार्थ है न कि सद्भाव। जिसके कारण कभी-कभी किसी एक व्यक्ति की अनैतिक एवं अनुचित महत्वाकांक्षाओं का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ता है। ईरान, अमेरिका-इजराइल युद्ध के चलते पूरी दुनिया में इन्टरनेट बंद होने का खतरा मंडरा रहा है। अनगिनत लाभ होने के बावजूद अनियंत्रित लालच तथा विज्ञान एवं तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता हमारे विनाश का कारण भी बन सकता है। भारत का स्पष्ट मानना है कि विज्ञान का उपयोग मानवता एवं मानव कल्याण के लिए होना चाहिए न कि व्यक्तिगत लाभ तथा भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़ एवं प्रभुत्व स्थापित करने के लिए। यही कारण है कि 16 से 20 फरवरी, 2026 को दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' की थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' रखी गई है। इसके पूर्व नई दिल्ली में ही आयोजित जी-20 के शिखर सम्मेलन की मुख्य थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' थी, जिसमें वन अर्थ, वन फेमिली, वन फ्यूचर का नारा दिया गया था। स्पष्ट है कि भारत को जब भी दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर मिला है, भारत ने सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश की है। चूंकि विस्तारवादी सोच की शुरुआत हमेशा लालच से होती है, इसलिए भारतीय चिन्तन में इस सोच को कभी भी प्रश्रय नहीं दिया गया। आध्यात्मिकता भारतीय चिंतन की मूल विशेषता है, इसीलिए भारतीयता के हर पहलू में हमें इसकी झलक दिखाई देती है। सदियों से भारत में शिक्षा को विद्या, छात्र को विद्यार्थी एवं शिक्षक को गुरु कहा जाता था। शिक्षा हमें बाहरी ज्ञान एवं जीवनयापन सिखाती है, जबकि विद्या एक आंतरिक गुण है जो कि हमारे विवेक संस्कारों एवं आचरण से जुड़ी होती है तथा हमें सही एवं गलत में भेद करना सिखाती है। शिक्षा सिर्फ सफलता तक सीमित रहती है जबकि विद्या हमें सार्थकता तक ले जाती है। श्री विश्णु पुराण में उल्लेख है कि 'तत्कर्म यन्न बन्धाय, सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात् कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और विद्या वही है जो मुक्त करे। यही कारण है कि भारतीयता में आत्म-बोध अर्थात् आत्म-साक्षात्कार पर विशेष बल दिया गया है। शिक्षा वह है जिसे प्राप्त करने के बाद विनम्रता आए एवं व्यक्ति, व्यक्तिगत लाभ की जगह सामूहिक हित को प्राथमिकता दे, इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में कहा गया है कि 'विद्या ददाति विनयं' अर्थात् सच्ची विद्या से व्यक्ति में विनम्रता आती है। भारतीय ज्ञान परंपरा त्याग, परोपकार एवं आत्मबोध पर आधारित होने के कारण संयम, उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यबोध की भावना उत्पन्न करती है, जबकि पाश्चात्य ज्ञान परंपरा तर्क, विज्ञान एवं भौतिकता पर आधारित होने के कारण प्रतिस्पर्धा, अहंकार, श्रेष्ठता-बोध एवं आत्मकेन्द्रित बनाती है। स्पष्ट है कि दुनिया में यदि स्थायी शांति एवं सद्भाव स्थापित करना है तो हमें भारतीयता के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना होगा। **(लेखक जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष हैं)**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

छेड़छाड़ और दहेज उत्पीड़न से तंग आकर विवाहिता पहुंची थाने, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र की एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता मोनी कुमारी पत्नी सोनू, निवासी ग्राम अकबरपुर पट्टी थाना नौगांवा सादात ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी दिनांक 1 सितंबर 2025 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार ग्राम रामहट उर्फ कारहट निवासी सोनू पुत्र प्रकाश चन्द्र के साथ हुई थी। विवाह के



दौरान उसकी विधवा माता ने अपनी सामर्थ्य से बढ़कर लगभग 20 लाख रुपये खर्च कर शादी धूमधाम से संपन्न कराई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति सोनू, ससुर प्रकाश चन्द्र, जेठ विपिन, कपिल व विवेक तथा जेठानी पूजा और ज्योत्ति ने अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। पीड़िता का कहना है कि उसे आए दिन ताने दिए जाते और मारपीट की जाती थी। उसने परिवार की इज्जत और घर बचाने के लिए काफी समय तक यह सब सहन किया, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार लगातार क्रूर होता गया। पीड़िता ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि उसका जेठ विवेक उस पर बुरी नजर रखता था और मौका पाकर उसके साथ छेड़छाड़ तथा अश्लील हरकतें करता था। जब उसने इस बात की शिकायत अपने पति और अन्य ससुरालजनों से की, तो उल्टा उसे ही दोषी ठहराया गया और मारपीट कर उसे पहने हुए कपड़ों में ही घर से निकाल दिया गया। मायके पहुंचकर पीड़िता ने अपनी आपबीती अपनी माता और भाई आकाश को बताई। इसके बाद उसके परिजनों ने ससुराल पक्ष को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने अपनी दहेज की मांग से पीछे हटने से इनकार कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति सोनू लगातार उसे और उसके भाई को जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिससे वह भयभीत और मानसिक रूप से परेशान है। पीड़िता ने पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना नौगांवा सादात पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़िता को सुरक्षा का भरोसा भी दिलाया गया है।

कचहरी गेट पर महिला व पिता से मारपीट, बाइक लूटकर दी जान से मारने की धमकी

दैनिक बुलंद मंज़िल
सर्वेश यादव अमरोहा। जिला मुख्यालय स्थित कचहरी परिसर के बाहर एक महिला और उसके पिता के साथ मारपीट व बाइक लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना अमरोहा देहात क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मण्डी धनौरा निवासी मिस्बाह जैनब ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसका अपने ससुराल पक्ष के साथ विवाद चल रहा है, जिसका मुकदमा जिला न्यायालय में विचाराधीन है। बीते 6 अप्रैल को वह अपने पिता अती कुर्रहमान के साथ अदालत में पेशी पर आई थी। आरोप है कि शाम करीब 3 बजे जब वह अपने पिता के साथ कचहरी गेट नंबर 3 से बाहर निकल रही थी, तभी पहले से घात लगाए खड़े शुएब उर्फ पप्पू पुत्र अब्दुल्लाह निवासी जोया थाना डिडौली, सऊद आलम पुत्र



इमरान और इमरान पुत्र असगर निवासी नीमखेड़ा बझेड़ा थाना रजपुरा जनपद सम्भल ने उन्हें घेर लिया। तीनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पिता-पुत्री के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसके पिता की मोटरसाइकिल छीन ली और धमकी देते हुए फरार हो गए। जाते-जाते आरोपियों ने चेतावनी दी कि यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। घटना के दौरान मौके पर मौजूद मोहम्मद वकील, शाहिद अली सहित अन्य लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने और अभद्रता करते हुए फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता अपने पिता के साथ थाने पहुंची और लिखित शिकायत दी। थाना अमरोहा देहात पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्य रास्ते पर जलभराव से एक साल से परेशान ग्रामीण, शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समाधान

दैनिक बुलंद मंज़िल
हसनपुर ब्यूरो। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहबाजपुर गुर्जर के मजरा मछरिया में ग्रामीण पिछले लगभग एक वर्ष से मुख्य रास्ते पर जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। स्थिति यह है कि गांव के मुख्य मार्ग के करीब 200 मीटर हिस्से में कई फुट तक पानी भरा हुआ है, जिससे आमजन का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें रोजाना पानी से होकर गुजरना मजबूरी बन गया है। ग्रामीणों के अनुसार इस समस्या की शिकायत कई बार संबंधित विभागों से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के कारण यह



मैंन रास्ते पर भरे पानी से गुजरते हुए स्कूली बच्चे

समस्या लगातार बनी हुई है। मुख्य रास्ते पर नाले का निर्माण न होने से बारिश का पानी जमा हो जाता है और लंबे समय तक निकासी नहीं हो पाती, जिससे रास्ता तालाब में तब्दील हो गया है। इस बीच ग्राम प्रधान के पुत्र द्वारा मौके का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि रास्ते पर भरा पानी लोगों के लिए किस तरह मुसीबत बना हुआ है। वीडियो में यह भी बताया गया है कि यदि समय रहते नाला निर्माण कराया गया होता तो आज ग्रामीणों को इस समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। ग्रामीणों का कहना है कि जलभराव के कारण न केवल आवागमन प्रभावित हो रहा है, बल्कि इससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। गंदे पानी में मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से लोगों में डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का डर बना हुआ है। वहीं, पशुओं को ले जाने और खेती-किसानी के कार्यों में भी दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे मजबूर होकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। अब देखने वाली बात यह होगी कि वायरल वीडियो के बाद प्रशासन और संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या को कितनी गंभीरता से लेते हैं और ग्रामीणों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं। फिलहाल, ग्रामीणों की परेशानी जस की तस बनी हुई है और वे समाधान की उम्मीद में प्रशासन की ओर देख रहे हैं।

टंकियां बनी सफेद हाथी, सड़कों में गड्ढे और राशन में कटौती–किसानों ने खोला मोर्चा

दैनिक बुलंद मंज़िल
अमरोहा। बुधवार को गंगेश्वरी विकास खंड के ग्राम संचिवालय भवन रहरा में आयोजित भारतीय किसान संघ की मासिक बैठक में किसानों का गुस्सा साफ नजर आया। क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर किसानों ने खुलकर आवाज उठाई और छह सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी अमरोहा के नाम खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी को सौंपा। बैठक में प्रमुख रूप से ह्यहर घर नल-हर घर जलह्न योजना पर सवाल उठाए गए। वक्ताओं ने कहा कि गांवों में बनी पानी की टंकियां केवल शोपीस बनकर रह गई हैं, जिनका कोई लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा। मांग की गई कि इन्हें जल्द चालू कराया जाए ताकि लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके और दूषित पानी से फैलने वाली बीमारियों से



बचाव हो सके। इसके साथ ही पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों की बदहाली पर भी नाराजगी जताई गई। किसानों ने कहा कि अधूरी मरम्मत के कारण राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, जिसे तुरंत ठीक कराया जाना चाहिए। राशन व्यवस्था को लेकर भी बैठक में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। ब्लॉक अध्यक्ष दीवांशु यादव ने आरोप लगाया कि कई पात्र लाभार्थियों के राशन कार्ड काट दिए गए हैं या उनके यूनिट कम कर दिए गए हैं। उन्होंने जांच कराकर पात्र लोगों के कार्ड बहाल करने और यूनिट जोड़ने की मांग की। निराश्रित गौवंश का मुद्दा भी जोर-शोर से उठा। किसानों ने कहा कि आवारा पशु फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिन्हें पकड़कर गौशालाओं में भेजा जाए। इसके अलावा पोरारा गांव में प्राचीन देवी मंदिर और बाबा हरिशंकर आश्रम के सामने जलभराव से फैल रही गंदगी पर भी चिंता जताई गई और जल्द समाधान की मांग की गई। बैठक में संगठन विस्तार पर भी चर्चा हुई। इस दौरान क्षेत्र के कई पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे, जिन्होंने एक स्वर में कहा कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया बैठक में प्रचार प्रमुख अखिलेश शास्त्री, ब्लॉक उपाध्यक्ष कुमरपाल सिंह, संजय सिंह, डॉ लल्लू चौहान, मनोज शर्मा, पंकज चौहान ,मनोहर सिंह, तेजपाल सिंह सैनी, जितेंद्र सिंह, भूदेव सिंह आदि भारी संख्या में किसान भाई मौजूद रहे।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक से मारपीट, थाने में दी तहरीर

दैनिक बुलंद मंज़िल
सैद नगली। थाना क्षेत्र के गांव हुसैनपुर में गाली-गलौज का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध करने पर दबंग युवक ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित हरपाल सैनी पुत्र कलुआ, निवासी ग्राम हुसैनपुर, थाना सैदनगली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार को सुबह करीब 9 बजे गांव का ही योगेन्द्र पुत्र छुट्टन उससे गाली-गलौज करने लगा। जब हरपाल ने इसका विरोध किया, तो दबंग ने उसके साथ लात-घूंसों और डंडे से मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि दबंग ने उसे जान से



मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर दबंग युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। इस संबंध में पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि मामले में जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मेहनत पर पानी: बारिश ने गेहूं की फसल को किया बर्बाद

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। लगातार हो रही बेमौसम बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंच रहा है। जहां एक ओर किसान फसल कटाई के बाद अच्छे दाम मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे, वहीं अब बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में किसानों ने गेहूं की कटाई कर फसल को खेतों में ही सुखाने के लिए छोड़ रखा था, लेकिन अचानक बदले मौसम ने हालात बिगाड़ दिए। बारिश का पानी खेतों में भर जाने से गेहूं की बालियां भीग गई हैं और अब उनमें गलन शुरू हो गई है।



क्षेत्र के गांव नगला खादर में किसान की कटी पड़ी गेहूं की फसल में भरा बर्षात का पानी

इससे न केवल अनाज की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है, बल्कि उत्पादन में भी भारी गिरावट की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि इस बार मौसम की मार ने उन्हें पूरी तरह तोड़ कर रख दिया है। पहले असमय बारिश और ओलावृष्टि ने फसल को नुकसान पहुंचाया और अब कटाई के बाद हो रही बारिश ने बची-खुची उम्मीद भी खत्म कर दी है। खेतों में पानी भरने के कारण गेहूं काला पड़ने लगा है, जिससे बाजार में इसकी कीमत भी कम मिल सकती है। कई किसानों ने बताया कि उन्होंने कर्ज लेकर खेती की थी और अब फसल खराब होने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। यदि समय रहते मौसम साफ नहीं हुआ, तो उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। किसानों की मांग है कि सरकार इस स्थिति का संज्ञान ले और नुकसान का आकलन कर उन्हें उचित मुआवजा प्रदान करे। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार नमी बने रहने से गेहूं में फफूंद लगने का खतरा बढ़ जाता है, जिससे अनाज की गुणवत्ता और भंडारण क्षमता दोनों प्रभावित होती हैं। इससे न केवल किसानों को नुकसान होता है, बल्कि उपभोक्ताओं तक भी खराब गुणवत्ता का अनाज पहुंचने की संभावना रहती है। स्थानीय प्रशासन से किसानों ने मांग की है कि जल्द से जल्द सर्वे कराकर नुकसान का आंकलन किया जाए और राहत कार्य शुरू किए जाएं। साथ ही, किसानों को सलाह दी जा रही है कि जहां संभव हो, वे फसल को सुरक्षित स्थान पर ले जाएं या उसे ढककर रखें ताकि और अधिक नुकसान से बचा जा सके। फिलहाल आसमान में छाए बादल और बीच-बीच में हो रही बारिश किसानों की चिंता बढ़ा रही है। यदि जल्द ही मौसम साफ नहीं हुआ, तो गेहूं की फसल को और भी अधिक नुकसान होने की आशंका है। ऐसे में किसानों की नजर अब सरकार की मदद और मौसम के मिजाज पर टिकी हुई है।

सीसीटीवी से खुला चोरी का राज, ढाबे से जनरेटर बैटरी चुराने वाला गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल
डिडौली ब्यूरो। थाना पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल अनावरण करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई जनरेटर की बैटरी भी बरामद कर ली है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की सराहना की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना डिडौली क्षेत्र में हाईवे किनारे स्थित ह्लचाचा चौधरी ढाबाह्व से कुछ दिन पूर्व अज्ञात चोर द्वारा जनरेटर की बैटरी चोरी कर ली गई थी। घटना के बाद ढाबा संचालक की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी। चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने आसपास



लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान आदिल पुत्र जाहिद हुसैन निवासी ग्राम नीली खेड़ी, थाना डिडौली के रूप में हुई। पहचान होते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त की तलाश शुरू की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई जनरेटर की बैटरी भी बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के खिलाफ पहले भी थाना अमरोहा देहात में चोरी का मामला दर्ज है, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति का पता चलता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस कार्रवाई से स्थानीय व्यापारियों और ढाबा संचालकों ने राहत की सांस ली है और पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

जलभराव से जूझता बांईखेड़ा, शव यात्रा भी कीचड़ में फंसी

दैनिक बुलंद मंजिल
हसनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव बांईखेड़ा में जलभराव की गंभीर समस्या एक बार फिर उजागर हुई है। मंगलवार को गांव निवासी चंद्रसेन प्रजापति के निधन के बाद उनकी शव यात्रा को गंदे पानी और कीचड़ से भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ा, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। परिजन और ग्रामीण जब शव को अंतिम संस्कार के लिए पूठ गंगा घाट ले जा रहे थे, तब गांव के मुख्य मार्ग पर भरे गंदे पानी ने उनकी राह मुश्किल कर दी। कई जगहों पर कीचड़ इतना अधिक था कि लोगों को शव यात्रा निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान मौजूद लोगों में आक्रोश भी देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि बांईखेड़ा मिलक से गंगा चोली जाने वाले मार्ग पर पिछले कई वर्षों से जलभराव की समस्या बनी हुई है। जल निकासी की



उचित व्यवस्था न होने के कारण घरों का गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाता है, जिससे न केवल आवागमन बाधित होता है बल्कि संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना रहता है। गांव के यादराम सिंह, बृजपाल सिंह, महेश कुमार, राधा वाल्मिक, संजय कुमार और क्षेत्र पंचायत सदस्य पीतम सिंह प्रजापति ने बताया कि वे कई बार इस समस्या को लेकर संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वहीं, ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह ने बताया कि यह मार्ग उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आदमपुर थाना क्षेत्र में नहीं थम रहा अवैध खनन, पुलिस पर सांठगांठ के आरोप

**दैनिक बुलंद मंज़िल/
जितेंद्र यादव**

अमरोहा। आदमपुर थाना क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में दिन-रात खुलेआम मिट्ट और बालू रेत का अवैध खनन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस पर कोई ठोस कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे हैं। इस मामले में थाना पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी प्रधान पुत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जहां एक ओर सरकारी कार्यों के लिए यदि कोई व्यक्ति एक ट्रैक्टर-ट्रॉली मिट्टी भी डालता है, तो पुलिस तत्काल पहुंचकर उसे पकड़ लेती है और वाहन को सीज कर देती है। वहीं दूसरी ओर बड़े स्तर पर चल रहे अवैध खनन के मामलों में पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है।





ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा खेल बिना स्थानीय पुलिस की जानकारी और मिलीभगत के संभव नहीं है। उनका कहना है कि कुछ स्थानों पर रात के अंधेरे में भारी मशीनों और कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए खनन किया जा रहा है, जिससे सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। बावजूद इसके कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े करता है। प्रधान पुत्र ने यह भी बताया कि जब अवैध खनन की शिकायत लेकर लोग थाना पहुंचते हैं, तो पुलिस शिकायत दर्ज करने के बजाय उन्हें जिला खनन अधिकारी के पास जाने की सलाह देती है। इससे लोगों में नाराजगी है और उन्हें लगता है कि उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि जहां पुलिस की सांठगांठ नहीं होती, वहां तुरंत कार्रवाई होती है और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को पकड़कर सीज कर दिया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि कार्रवाई चयनात्मक तरीके से की जा रही है। इस पूरे मामले को लेकर क्षेत्र के लोगों में रोष व्याप्त है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि अवैध खनन पर सख्त कार्रवाई की जाए और इसमें लिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों की जांच कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाता है और क्षेत्र में अवैध खनन पर कब तक लगाम लग पाती है। जब इस बारे पुलिस अधीक्षक लखन सिहं यादव से बात करने का प्रयास किया गया तो सीयूजी नंबर पीआरो द्वारा बताया गया इस तरह की जानकारी पुलिस अधीक्षक को दे दी जाएगी।

शिक्षा व्यवस्था पर सवाल : 9:30 बजे तक नहीं पहुंचे अध्यापक, गुरुजी नहीं आए : बच्चे बाहर खेलते रहे

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर। गंगेश्वरी विकासखंड क्षेत्र के गांव बिजनपुर स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां निर्धारित समय पर अध्यापक विद्यालय नहीं पहुंचे, जिसके चलते बच्चे स्कूल के बाहर ही इंतजार करते-करते खेलने को मजबूर हो गए। इस घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, सरकार द्वारा विद्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे और बंद होने का समय दोपहर 2 बजे तय किया गया है। इसके बावजूद संबंधित विद्यालय के अध्यापक समय का पालन नहीं कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्कूल खुलने के करीब डेढ़ घंटे बाद यानी सुबह 9:30 बजे तक भी कोई शिक्षक विद्यालय नहीं पहुंचा था। इस दौरान छोटे-छोटे बच्चे स्कूल के बाहर ही इधर-उधर खेलते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। अक्सर इस विद्यालय में शिक्षक देर से पहुंचते हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। अभिभावकों में भी इसको लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि सरकार जहां शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, वहीं कुछ शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह बने हुए हैं। इस पूरे मामले पर खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनील कुमार ने कहा कि यदि शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंच रहे हैं तो यह गंभीर लापरवाही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो। वहीं इस घटना के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद विभाग क्या कार्रवाई करता है और क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग पाती है या नहीं।



मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं को किया जागरूक

**दैनिक बुलंद मंजिल /
रवि कुमार**

हसनपुर। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुधवार को कोतवाली हसनपुर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, हसनपुर में आयोजित हुआ, जिसमें छात्राओं को सुरक्षा, आत्मरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम की सक्रिय भागीदारी रही। प्रभारी उपनिरीक्षक विजेंद्र कुमार, महिला उपनिरीक्षक नेहा नेहरा, महिला हेड कांस्टेबल दिलशेर जहां, महिला कांस्टेबल डोली और काजल ने छात्राओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर





सिखाए। उन्होंने बताया कि विपरीत परिस्थितियों में घबराने के बजाय सूझबूझ और साहस के साथ अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। पुलिस हेल्पलाइन 112, महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के बारे में विस्तार से बताया गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर छात्राएं तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। इसके अलावा उत्तर प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना की जानकारी भी साझा की गई। छात्राओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ और महिला कल्याण विभाग का भी सहयोग रहा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर इस प्रकार के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाते।

हसनपुर में जनसमस्याओं पर फूटा गुस्सा, राष्ट्र सेवी संगठन का प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर बुधवार को राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने तहसील परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाया। बाद में संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कार्यालय में सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने प्रदेश सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय प्रशासन की लापरवाही पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 1 अप्रैल



से गेहूं खरीद शुरू करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, लेकिन हसनपुर क्षेत्र में अब तक खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इससे किसान अपनी उपज को लेकर दर-दर भटकने को मजबूर हैं और उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा खाद्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पात्र गरीबों के राशन कार्ड काट दिए गए हैं, जिससे जरूरतमंद परिवार सरकारी राशन से वंचित हो गए हैं। उन्होंने मांग की कि ऐसे सभी पात्र लोगों के नाम दोबारा सूची में जोड़े जाएं। संगठन ने बिजली विभाग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि लगाए गए स्मार्ट मीटर गलत रीडिंग दे रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को आवास न मिलने पर भी नाराजगी जताई गई। इसके साथ ही हसनपुर से भदौरा जाने वाला मार्ग जर्जर होने का मुद्दा भी उठाया गया। कार्यकताओं ने कहा कि सड़क की खराब हालत के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि गेहूं खरीद शीघ्र शुरू नहीं की गई और सड़कों की मरम्मत नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान मोनू अग्रवाल, गजराज सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुरभित गुप्ता एडवोकेट, संजीव कुमार सहित कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जब फरिश्ता बनी पुलिस : सड़क पर तड़पते युवक को मिला नया जीवन

**दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी**

अमरोहा। जनपद में कानून व्यवस्था के साथ-साथ मानवता का परिचय देते हुए अमरोहा पुलिस लगातार सराहनीय कार्य कर रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस की तत्परता से एक गंभीर रूप से घायल युवक की जान बचा ली गई। इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पूरी टीम को ह्वकॉप़ ऑफ द डेह्व घोषित किया है। जानकारी के अनुसार यातायात प्रभारी राजेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक अनुज कुमार मलिक, हेड कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह, चालक कांस्टेबल प्रदीप चौधरी और कांस्टेबल मोहम्मद शौकीन जोया रोड से पुलिस कार्यालय की ओर आ रहे थे। इसी दौरान गैस गोदाम के पास सड़क किनारे एक



मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा मिला, जहां मौके पर काफी भीड़ जुटी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस टीम ने तत्काल वाहन रोका और बिना समय गंवाए एंबुलेंस बुलाकर घायल को जिला अस्पताल भिजवाया। युवक के शरीर से काफी खून बह चुका था, लेकिन समय पर इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। घायल की पहचान शिवकुमार पुत्र रूपेश निवासी ग्राम मोडी काठ थाना कांठ, जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत अब सामान्य है। घटना की सूचना तत्काल कोतवाली डिडौली पुलिस को भी दी गई, जिससे आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। घायल के परिजनों ने अमरोहा पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की जमकर सराहना की। वहीं पुलिस अधीक्षक ने भी टीम के कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया।

खेत में पहुंचीं डीएम, खुद कटवाया गेहूं–उत्पादन का लिया जायजा

**दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी**

अमरोहा। जनपद में गेहूं की पैदावार और कटाई की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने तहसील अमरोहा के ग्राम एब्जाबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर क्रॉप कटिंग प्रक्रिया कराई और एग्री एप के माध्यम से गेहूं उत्पादन का औसत आंकलन किया। निरीक्षण के दौरान गाटा संख्या 68, कृषक अख्तर हुसैन के खेत में 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें 20.200 किलोग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई। इस आधार पर क्षेत्र की उत्पादकता का आकलन किया गया। जिलाधिकारी ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बताते हुए कहा कि इससे वास्तविक उत्पादन का सटीक डेटा प्राप्त होता है। डीएम ने मौके पर गेहूं की कटाई की प्रगति का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कटाई कार्य समयबद्ध





तरीके से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने किसानों से बातचीत कर क्षेत्र में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों, उनकी किस्मों और उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी भी ली। जिलाधिकारी ने बताया कि क्रॉप कटिंग के आधार पर ही फसल की औसत पैदावार निर्धारित की जाती है और यही आंकड़े शासन को भेजे जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ओलावृष्टि, अतिवृष्टि या अन्य प्राकृतिक आपदाओं से फसल को हुए नुकसान का आकलन भी इसी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इसके आधार पर ही फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मुआवजा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा जनपद के सभी क्षेत्रों से क्रॉप कटिंग के आंकड़े एकत्रित कर शासन को भेजे जाते हैं, जिससे विभिन्न फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता निर्धारित होती है। यह प्रक्रिया किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस मौके पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल सहित अन्य अधिकारी और क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ संपन्न कराई जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

नशा तस्करी केस में वांछित आरोपी आखिरकार गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

मंडी धनौरा ब्यूरो। जनपद में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मण्डी धनौरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देश पर चल रहे इस अभियान में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी मण्डी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के नेतृत्व में थाना मण्डी धनौरा पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया।



गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान राजे कुमार पुत्र ईश्वर कुमार जाटव निवासी ग्राम चुचैला कलां थाना मण्डी धनौरा जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। अभियुक्त के विरुद्ध एसटी नंबर 15/16, अपराध संख्या 17/16 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज था, जिसमें वह लंबे समय से वांछित चल रहा था। पुलिस टीम ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूरी करते हुए संबंधित न्यायालय एडीजे/एफटीसी द्वितीय, अमरोहा के समक्ष पेश कर दिया है। गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक संजीव कुमार, कांस्टेबल अंकित बालियान एवं कांस्टेबल रजत कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

आईजीआरएस रैंकिंग में अमरोहा पुलिस का लगातार छठी बार प्रदेश में पहला स्थान

**दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी**

अमरोहा। ऑनलाइन शिकायत प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से शिकायतों के निस्तारण में अमरोहा पुलिस ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। मार्च 2026 की जारी रैंकिंग में जनपद अमरोहा को लगातार छठी बार प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, वहीं जिले के 13 थानों ने भी अपनी-अपनी श्रेणी में शीर्ष स्थान पाया। यह उपलब्धि पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन और आईजीआरएस शाखा की सक्रिय कार्यप्रणाली का परिणाम मानी जा

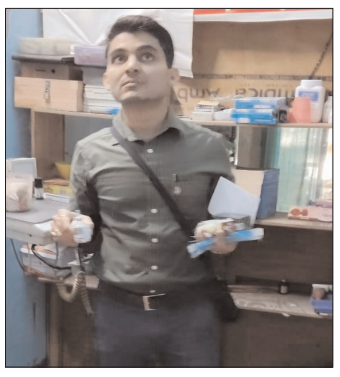


रही है। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी जनसुनवाई प्रणाली के तहत प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया गया। हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित थानों से निर्धारित समयसीमा के भीतर रिपोर्ट ली गई और आवेदकों से फीडबैक भी प्राप्त किया गया। पुलिस अधीक्षक स्वयं इस पोर्टल की नियमित मॉनिटरिंग करते हैं और अधिकारियों व थाना प्रभारियों को लगातार दिशा-निर्देश देते रहते हैं। आईजीआरएस शाखा द्वारा शिकायतों को संबंधित थानों तक पहुंचाकर उनके समाधान की निगरानी की जाती है। इस उपलब्धि में आईजीआरएस प्रभारी कुमरेश त्यागी, आरक्षी सारुल चौहान, प्रशांत चौहान और प्रदीप चौधरी की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने पूरे समर्पण और मेहनत से कार्य किया। इनके प्रयासों से अमरोहा को 125 में से पूरे 125 अंक प्राप्त हुए। पुलिस अधीक्षक ने सभी कर्मियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और भविष्य में भी इसी तरह कार्य करने के निर्देश दिए।

स्याही से नहीं, सुई से कमाई : फर्जी पत्रकार का क्लीनिक सील

दैनिक बुलंद मंज़िल/
जितेंद्र यादव





अमरोहा। तहसील हसनपुर क्षेत्र के आदमपुर में ढवारसी बस स्टैंड पर पत्रकारिता की आड़ में चल रहे फर्जी इलाज के खेल का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। यहां एक युवक खुद को पत्रकार बताकर अवैध क्लीनिक संचालित कर रहा था और बिना किसी मान्यता प्राप्त डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहा था। चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि आरोपी झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ खबरें प्रकाशित कर उनसे अवैध वसूली भी करता था और अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश करता था। सूत्रों के अनुसार, संभल जनपद के एक गांव निवासी युवक पर पहले से ही कार्रवाई हो चुकी है और उसे संभल पुलिस द्वारा जिला बदर किया गया है। इसके बावजूद वह आदमपुर में अपनी गतिविधियां चला रहा था। मामले की सूचना मिलने पर रहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. शशांक चौधरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी की। टीम के पहुंचते ही आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन जांच में क्लीनिक पूरी तरह अवैध पाया गया। इसके बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया। छापेमारी के दौरान एक अवैध डेंटल क्लीनिक समेत कुल तीन क्लीनिकों की जांच की गई, जहां सभी बिना लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के संचालित होते मिले। स्वास्थ्य विभाग ने इन सभी के खिलाफ संबंधित थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई शुरू करा दी है। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध क्लीनिकों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि लोगों की जान से खिलवाड़ करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा सके। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर शशांक चौधरी ने बताया कि छापेमारी के दौरान आदमपुर में बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे चार क्लीनिक को सील किया गया है तथा क्लिनिक संचालक जितेंद्र, मेराजुल हसन, हरिओम, फहीम के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई कराई जा रही है।

अमरोहा में नाबालिग अपहरण व दुष्कर्म मामले में सख्त सजा, दो दोषियों को 15-15 वर्ष कारावास

दैनिक बुलंद मंज़िल/
जितेंद्र यादव



अमरोहा। जनपद में नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के गंभीर मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए तीन दोषियों को कठोर सजा सुनाई है। यह कार्रवाई मिशन शक्ति फेज-5 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस की प्रभावी पैरवी का परिणाम मानी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना हसनपुर क्षेत्र में वर्ष 2018 में दर्ज मुकदमा संख्या 326/2018, धारा 363, 376, 506 भादवि व 3/4 पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में न्यायालय ने सुनवाई पूरी करते हुए अभियुक्त राजू उर्फ राजकुमार पुत्र हरकेश एवं पप्पू पुत्र सूरत सिंह, निवासी ग्राम झूरैरी को दोषी करार दिया। दोनों को 15-15 वर्ष के कठोर कारावास के साथ कुल 52,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। वहीं, इसी मामले में सह-अभियुक्त प्रकाश पुत्र टेका निवासी ग्राम झूरैरी को न्यायालय ने 3 वर्ष के कठोर कारावास एवं 6,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की मजबूत पैरवी और साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने यह निर्णय सुनाया। अमरोहा पुलिस द्वारा इस मामले में लगातार की गई प्रभावी कार्रवाई और साक्ष्य संकलन की सराहना की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास बना रहे।

गजरौला पुलिस ने 5 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

दैनिक बुलंद मंज़िल
गजरौला ब्यूरो।



गजरौला ब्यूरो। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गजरौला पुलिस को एक सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने विभिन्न स्थानों से कुल 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक गजरौला मनोज कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में दिलशाद पुत्र सत्तार निवासी ग्राम पपसरा खादर, आकाश कुमार पुत्र चतरसिंह निवासी ग्राम मुबारकपुर थाना धनौरा, जुनैद पुत्र राशिद निवासी मोहल्ला जलालनगर, अजय पुत्र प्रेमनाथ निवासी मायापुरी कस्बा गजरौला तथा महिला अभियुक्ता साहीन पत्नी नासिर निवासी ग्राम पपसरा खादर शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सहंसरपाल, उपनिरीक्षक सरज कुमार, उपनिरीक्षक सुधीर तोमर, कांस्टेबल सुमित, सतविंदर, अजय तथा महिला कांस्टेबल आशापाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस द्वारा सभी अभियुक्तों को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है और आम जनता ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की है।

ओवरस्पीड और स्टंटबाजों पर पुलिस की नजर, एक दिन में 470 चालान

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी





अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में बुधवार को जनपद में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। शहर के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर व्यापक चेकिंग अभियान के दौरान कुल 470 वाहनों का चालान किया गया। अभियान के तहत मॉडिफाइड साइलेंसर से पटाखों जैसी तेज आवाज करने वाले, मानक के विपरीत नंबर प्लेट लगाने वाले, तीन सवारी बैठाने वाले, बिना हेल्मेट वाहन चलाने वाले और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखने वाले चालकों को चिन्हित कर कार्रवाई की गई। साथ ही यातायात पुलिस ने अतिक्रमण हटवाकर सड़कों को सुचारू बनाने का प्रयास भी किया। इस दौरान ओवरस्पीडिंग पर विशेष नजर रखते हुए स्पीड लेजर गन से जांच की गई, जिसमें 132 वाहन निर्धारित गति सीमा से अधिक पाए गए। इन सभी के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की गई। वहीं जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में एआरटीओ महेश कुमार और यातायात प्रभारी राजेंद्र कुमार ने एलएसए पब्लिक स्कूल और राणा पब्लिक स्कूल के 26 स्कूल वाहनों का भौतिक सत्यापन किया। इस दौरान स्कूल वाहन निगरानी पोर्टल की जानकारी देते हुए संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा।

अम्बेडकर जयंती को लेकर प्रशासन अलर्ट, पीस कमेटी संग बैठक





दैनिक बुलंद मंज़िल
बछरायूं ब्यूरो।

बछरायूं ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर निकलने वाली झांकी को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना बछरायूं परिसर में पीस कमेटी की गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता थानाध्यक्ष बछरायूं ने की, जिसमें क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, धार्मिक प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान झांकी मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, साफ-सफाई और समयबद्ध आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने, अफवाहों से दूर रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। साथ ही आयोजकों को निर्देशित किया गया कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन करें। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शांति भंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। गोष्ठी के अंत में सभी ने मिलकर आपसी भाईचारे और शांति के साथ जयंती कार्यक्रम संपन्न कराने का संकल्प लिया।

गैंगस्टर एक्ट में दोषी को सजा, 2 साल 9 माह की कैद

दैनिक बुलंद मंज़िल/
सर्वेश यादव



अमरोहा। जनपद पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते गैंगस्टर एक्ट से जुड़े एक मामले में न्यायालय ने अभियुक्त को सजा सुनाई है। यह कार्रवाई अपराध और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई, जिसमें पुलिस की मजबूत विवेचना और साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन पक्ष ने न्यायालय में अपना पक्ष मजबूती से रखा। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना गजरौला में पंजीकृत मु0अ0सं0 380/2023, धारा 3(1) गैंगस्टर एक्ट से संबंधित मामले में अभियुक्त लक्ष्मीशंकर अग्रवाल पुत्र सीताराम निवासी 84 घंटा, किसरौल, कूचा शेख बिचाई थाना नागफनी जनपद मुरादाबाद को दोषी ठहराया गया। न्यायालय ने सुनवाई के उपरांत अभियुक्त को 2 वर्ष 9 माह 8 दिन के कठोर कारावास तथा 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाए गए थे, जिनके आधार पर न्यायालय ने उसे दोषी माना। अमरोहा पुलिस द्वारा समयबद्ध और प्रभावी पैरवी के कारण ही यह सजा सुनिश्चित हो सकी। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराध नियंत्रण और अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गैंगस्टर एक्ट के तहत ऐसे अपराधियों पर कठोर कार्रवाई कर कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। इस निर्णय से क्षेत्र में कानून का भय स्थापित होने के साथ ही आम जनता में सुरक्षा की भावना भी मजबूत होगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अपराधियों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि समाज में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे।

हेल्पलाइन जारी : रबी फसल नुकसान पर किसान तुरंत करें शिकायत

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। रबी की फसलों को हुई क्षति के मद्देनजर किसानों की सहायता के लिए प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। उप कृषि निदेशक डॉ. राम प्रवेश ने बताया कि भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित किसानों को फसल नुकसान पर क्षतिपूर्ति दिलाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों ने अधिसूचित फसलों जैसे गेहूं, सरसों और आलू का बीमा कराया है, वे प्राकृतिक आपदाओं या अन्य अनियंत्रित कारणों से फसल खराब होने पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इसके लिए टोल फ्री नंबर 14447 पर कॉल कर शिकायत की जा सकती है, वहीं 7065514447 व्हाट्सएप नंबर पर भी जानकारी भेजी जा सकती है। इसके अलावा किसान गूगल प्ले स्टोर से ह्वक्रॉप इंश्योरेंसह्व ऐप डाउनलोड कर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं। संबंधित बैंक शाखा और बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों से भी संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन के अनुसार व्यापक आपदाओं में प्रतिकूल मौसम के कारण 75 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में बुवाई न होना, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि, तूफान, चक्रवात, जलभराव या आकाशीय बिजली से फसल को नुकसान शामिल है। वहीं बुवाई के एक माह बाद से कटाई के 15 दिन पहले तक यदि संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आती है तो भी किसान सहायता के पात्र होंगे। इसके अलावा स्थानिक आपदाओं जैसे ओलावृष्टि, जलभराव, भूस्खलन या बेमौसम बारिश से कटाई के बाद खेत में रखी फसल को नुकसान होने पर भी मुआवजा दिया जाएगा। किसानों से अपील की गई है ।

ऑपरेशन किरण के तहत 4 परिवारों में हुआ समझौता, बिखरने से बचाए रिश्ते

दैनिक बुलंद मंज़िल/
असलम सैफी जिला प्रभारी





अमरोहा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन किरण अभियान के तहत जिले की पुलिस ने पारिवारिक विवादों को सुलझाने में सराहनीय पहल की है। इसी क्रम में महिला थाना गजरौला, थाना हसनपुर और थाना नौगावां सादात पुलिस द्वारा कुल 4 परिवारों के बीच सुलह-समझौता कराया गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया एवं क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए काउंसलिंग कराई गई। महिला थाना गजरौला में 2, थाना हसनपुर में 1 और थाना नौगावां सादात में 1 मामले की सुनवाई कर दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के दौरान पुलिस टीम ने धैर्यपूर्वक दोनों पक्षों की समस्याएं सुनीं और आपसी संवाद के माध्यम से विवाद का समाधान कराया। परिणामस्वरूप चारों जोड़ों के बीच आपसी सहमति बनी और उन्होंने प्रेमपूर्वक साथ रहने का निर्णय लिया। पुलिस की इस पहल से जहां परिवारों को टूटने से बचाया गया, वहीं समाज में सकारात्मक संदेश भी गया। अंत में सभी जोड़ों को खुशी-खुशी उनके घर रवाना किया गया। यह अभियान पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हो रहा है।

पैदल गश्त से जागी सतर्कता, धनौरा में पुलिस का सख्त पहरा

दैनिक बुलंद मंज़िल
मंडी धनौरा ब्यूरो।





मंडी धनौरा ब्यूरो। जनपद में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजलि कटारिया के नेतृत्व में थाना मण्डी धनौरा पुलिस टीम द्वारा कस्बा धनौरा में पैदल गश्त की गई। पैदल गश्त के दौरान पुलिस टीम ने बाजारों, प्रमुख चौराहों तथा संवेदनशील स्थानों का भ्रमण किया और आमजन से संवाद स्थापित कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग भी की गई, साथ ही व्यापारियों एवं राहगीरों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके। क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया ने बताया कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है और इसके लिए नियमित रूप से गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पावर सेक्टर की कुश्ती-कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ, पश्चिमांचल के खिलाड़ियों का दबदबा

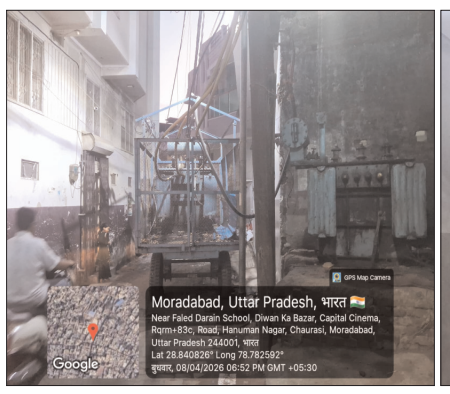




बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/मेरठ। उत्तर प्रदेश पावर सेक्टर की 51वीं अंतर परियोजना/डिस्कॉम कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ बुधवार को दारा सिंह कुश्ती स्टेडियम, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय परिसर में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेन्द्र तोमर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया इस मौके पर उन्होंने विभिन्न डिस्कॉम और परियोजनाओं से आए खिलाड़ियों को शपथ दिलाते हुए प्रतियोगिता की शुरूआत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रविश गुप्ता (आईएएस) भी मौजूद रहे प्रतियोगिता 8 से 9 अप्रैल 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें प्रदेश के विभिन्न डिस्कॉम और परियोजनाओं के करीब 150 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसमें पश्चिमांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पूर्वांचल, केस्को सहित ओबरा, अनपरा और हरदुआगंज परियोजना की टीमें शामिल हैं कार्यक्रम के दौरान मंत्री डॉ. तोमर ने अर्जुन पुरस्कार विजेता एवं पश्चिमांचल डिस्कॉम की क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती अल्का तोमर के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें विशेष रूप से शुभकामनाएं दीं कुश्ती में पश्चिमांचल का दबदबा प्रतियोगिता के पहले दिन कुश्ती के कई रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिसमें पश्चिमांचल डिस्कॉम मेरठ के पहलवानों का दबदबा देखने को मिला। उद्घाटन मुकाबले में पश्चिमांचल के बिजेन्द्र सिंह ने हरदुआगंज के महेश कुमार को चित कर जीत दर्ज की। विभिन्न भार वर्गों में मेरठ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण पदक अपने नाम किए कबड्डी में पश्चिमांचल और अनपरा फाइनल में कबड्डी प्रतियोगिता में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहले मैच में हरदुआगंज ने मध्यांचल को हराया, जबकि अन्य मुकाबलों में पश्चिमांचल ने ओबरा और अनपरा ने हरदुआगंज को हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब 9 अप्रैल को फाइनल मुकाबला पश्चिमांचल और अनपरा के बीच खेला जाएगा कार्यक्रम का संचालन दिलमणि थपलियाल ने किया। इस दौरान विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे प्रतियोगिता का समापन 9 अप्रैल को इसी स्टेडियम में होगा।

मुरादाबाद दीवान का बाजार में 10 दिन से बीच सड़क खड़ा इमरजेंसी ट्रांसफार्मर, लोगों का रास्ता बंद





बुलन्द मंज़िल आसिम खान

मुरादाबाद । शहर के व्यस्त बाजारों में शामिल दीवान का बाजार इन दिनों बिजली विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा है। यहां इमरजेंसी ट्रांसफार्मर पिछले 10 दिनों से एक गाड़ी में बीच सड़क पर खड़ा है, जिससे आम लोगों का आना-जाना पूरी तरह बाधित हो गया है दीवान का बाजार क्षेत्र में बिजली विभाग द्वारा लगाया गया इमरजेंसी ट्रांसफार्मर अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, विभागीय कर्मचारी ट्रांसफार्मर को सिर्फ 2 दिन के लिए रखने की बात कहकर गए थे, लेकिन अब 10 दिन बीत जाने के बावजूद न तो ट्रांसफार्मर बदला गया और न ही गाड़ी को वहां से हटाया गया बीच सड़क पर खड़ी इस गाड़ी के कारण रास्ता पूरी तरह ब्लॉक हो चुका है। खासकर घनी आबादी और बाजार क्षेत्र होने की वजह से दुकानदारों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने बताया कि रोजमर्रा के कामों के लिए निकलना भी मुश्किल हो गया है, जबकि आपात स्थिति में एंबुलेंस या अन्य वाहन का निकलना भी चुनौती बन सकता है स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बिजली विभाग की यह गंभीर लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है। ट्रांसफार्मर खुले में और भीड़भाड़ वाले इलाके में खड़ा होने से सुरक्षा को लेकर भी खतरा बना हुआ है लोगों ने विभाग से जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर को हटाने और रास्ता सुचारू कराने की मांग की है। वहीं सवाल यह उठ रहा है कि आखिरकार इतनी व्यस्त और संवेदनशील जगह पर ट्रांसफार्मर को लंबे समय तक खड़ा छोड़कर विभाग क्यों गायब है (स्थानीय लोग) दो दिन बोलकर गए थे, लेकिन 10 दिन हो गए हैं, कोई सुनवाई नहीं हो रही रास्ता पूरी तरह बंद है, हम लोग बहुत परेशान हैं अब देखना होगा कि खबर सामने आने के बाद बिजली विभाग कब तक हरकत में आता है और क्षेत्रवासियों को इस समस्या से राहत मिलती है। फिलहाल दीवान का बाजार के लोग रोजाना इस अव्यवस्था का खामियाजा भुगतने को मजबूर हैं।

सैफनी में आंधी-बारिश से गेहूं की फसल को नुकसान, किसानों की बढ़ी चिंता



दैनिक बुलंद मंजिल /सिंहराज सागर

सैफनी। थाना क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के चलते आंधी और बारिश से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। कटने को तैयार फसल तेज हवा से गिर गई है। बारिश के कारण भीगने से गेहूं की बाली का दाना हल्का पड़ने की आशंका है। इससे उसकी गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। सोमवार को मौसम साफ होने पर किसानों ने फसल की कटाई शुरू की। वर्तमान में गेहूं की फसल पककर तैयार हो गई है। कई किसानों ने फसल काट भी ली है लेकिन अब भी तमाम किसानों की फसल खेत पर खड़ी है। पिछले तीन दिनों से मौसम में बदलाव आया है। आंधी आने से गेहूं और सरसों की फसल खेत पर गिर गई। बाद में बारिश होने के कारण फसल भीग गई। सोमवार को जब मौसम खुला तो किसानों ने खेत पर जाकर फसल के नुकसान का आकलन किया। किसानों का कहना है कि बारिश में भीगने के कारण गेहूं का दाना काला पड़ने की आशंका है। इससे भूसा भी कम निकलेगा। साथ ही भूसा खराब होने की आशंका है। गेहूं के सड़ने का खतरा भी बढ़ गया है।

धनौरा थाने में सख्ती : लंबित विवेचनाओं पर सीओ का कड़ा एक्शन



दैनिक बुलंद मंज़िल

मंडी धनौरा ब्यूरो। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध नियंत्रण एवं लंबित विवेचनाओं के निस्तारण को लेकर थाना धनौरा में विशेष अर्दली रूम का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी धनौरा ने थाना धनौरा के सभी विवेचकों के साथ बैठक कर लंबित मामलों की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान प्रत्येक विवेचना की प्रगति का बारीकी से आकलन किया गया और जहां भी कमी पाई गई, उसे शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए। क्षेत्राधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी विवेचनाएं समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी की जाएं, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने विवेचकों को साक्ष्य संकलन में तेजी लाने, गवाहों के बयान समय से दर्ज करने और तकनीकी साक्ष्यों का अधिक से अधिक उपयोग करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अपराध नियंत्रण को लेकर भी रणनीति बनाई गई और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्य में शिथिलता बरतने वाले कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में सभी पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने और जनविश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

मेली लेकर जा रहे ट्रेक्टर में घुसी डीसीएम चालक घायल



दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली। थाना क्षेत्र के जोया में बीती देर रात हुआ हादसा दिल्ली से बरेली जा रहा डीसीएम चालक आपको बता दे कि दिल्ली से मुरादाबाद जा रहे डीसीएम चालक सौरभ पुत्र मंशाराम निवासी हरदोई जिला हरदोई ने जोया कस्बे में आगे चल रहे गन्ने की मेली भरे टैक्टर ट्राली को जोरदार टक्कर मार दी जिसमे सौरभ गम्भीर रूप से घायल हो गया सूचना मिलने डिडौली पुलिस मौके पर पहुँची ओर घायल को जोया के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया टककर इतनी जोरदार थी कि ट्राली में भरी गन्ने की मेली हाइवे पर फैल गयी और डीसीएम घूमकर हाइवे पर खड़ी हो गयी पुलिस ने हेडरा की मदद से डीसीएम को साइड में खड़ा कर यातायात सुचारु रूप से शुरू कराया वही डिडौली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उक्त घटना की कोई तहरीर नही दी गयी तहरीर मिलने पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पत्रकार हत्याकांड पर आक्रोश, आरोपियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा की उठी मांग

-लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर शख्त कार्यवाही की मांग



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। जनपद के पत्रकार वेद प्रकाश शर्मा उर्फ सोनू की निर्मम हत्या से पत्रकारों में भारी रोष व्याप्त है। इस घटना को लेकर पत्रकारों ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। पत्रकारों का कहना है कि यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता पैदा करती है। उन्होंने मांग की कि हत्या में शामिल आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम सजा दिलाई जाए। पत्रकारों ने यह भी बताया कि मृतक पत्रकार ने घटना से चार दिन पूर्व ही थाना कोतवाली में लिखित तहरीर देकर अपनी जान को खतरा बताया था, लेकिन पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि यदि समय रहते कार्रवाई होती, तो इस घटना को रोका जा सकता था। इस संबंध में पत्रकारों ने लापरवाही बरतने वाले संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध जांच कर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही पत्रकारों ने जनपद में सभी पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। इस दौरान नीरज चक्रपाणि, दीपेश भारद्वाज, शम्मी गौतम, शोभित शर्मा मयंक वशिष्ठ, दीनदयाल सारस्वत, पीसी शर्मा, होमेश मिश्रा, आकाश शर्मा, संभूनाथ पुरोहित, छोटू पुरोहित, राजा पाठक, नीरज गुप्ता, राजदीप तोमर, साहिल अब्बास, उमाकांत पुंढीर, यतेंद्र प्रताप, नरेश कुमार, समीर शर्मा, मोनू मीर, पवन गुप्ता, अनिल चौधरी, मुकेश कुमार, रविंद्र सिंह, जयप्रकाश, विष्णु नागर, धर्मेंद्र कुमार, राहुल दीक्षित और राहुल शर्मा मनोज वार्ष्णेय, प्रशांत दीक्षित, हिमांशु कुशवाहा, गौरव दीक्षित सहित आदि पत्रकार मौजूद थे।

भागवत कथा में सुनाया श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग, श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा



दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। सैफनी नगर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक स्वामी गोविन्द आचार्य शास्त्री ने श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह प्रसंग सुनाया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मणी विवाह को एकाग्रता से सुना। श्रीकृष्ण-रुक्मणि का वेश धारण किए बाल कलाकारों पर भारी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।श्रद्धालुओं ने विवाह के मंगल गीत गाए।प्रसंग में शास्त्री ने कहा कि रुक्मणी विदर्भ देश के राजा भीष्म की पुत्री और साक्षात लक्ष्मी जी का अवतार थी। रुक्मणी ने जब देवर्षि नारद के मुख से श्रीकृष्ण के रूप, सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनी तो उसने मन ही मन श्रीकृष्ण से विवाह करने का निश्चय किया। रुक्मणी का बड़ा भाई रुक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था और अपनी बहन का विवाह चेदिनरेश राजा दमघोष के पुत्र शिशुपाल से कराना चाहता था। रुक्मणी को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने एक ब्राह्मण संदेशवाहक द्वारा श्रीकृष्ण के पास अपना परिणय संदेश भिजवाया। तब श्रीकृष्ण विदर्भ देश की नगरी कुंडीनपुर पहुंचे और वहां बारात लेकर आए शिशुपाल व उसके मित्र राजाओं शाल्व, जरासंध, दंतवक्त्र, विदु रथ और पौंडरक को युद्ध में परास्त करके रुक्मणी का उनकी इच्छा से हरण कर लाए। वे द्वारिकापुरी आ ही रहे थे कि उनका मार्ग रुक्मी ने रोक लिया और कृष्ण को युद्ध के लिए ललकारा। तब युद्ध में श्रीकृष्ण व बलराम ने रुक्मी को पराजित करके दंडित किया। तत्पश्चात श्रीकृष्ण ने द्वारिका में अपने संबंधियों के समक्ष रुक्मणी से विवाह किया।

विकास खंड में किया ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु प्रेरणा दिवस का आयोजन



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी ब्लॉक सभागार मे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वावलंबी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत प्रेरणा दिवस का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व विधायक हरी शंकर माहौर, भू प्रकाश उपाध्याय, सुशील प्रभाकर मंचासीन रहे, बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में शासन के निदेशों के क्रम में, विकास खंड सासनी में विशेष कार्यक्रमों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना और सरकारी योजनाओं की जानकारी देना यह कार्यक्रम प्रत्येक बुधवार को आयोजित किया जाता है। ग्राम्य विकास विभाग के अंतर्गत ब्लॉक मिशन मैनेजर और सहायक विकास अधिकारी की देखरेख में इसका क्रियान्वयन हो रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण आजीविका को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प दोहराया गया है। इस पहल से न केवल ग्रामीण महिलाओं के कौशल में वृद्धि होगी, बल्कि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बन सकेंगी। इस कार्यक्रम में सैकड़ो महिलाएं मौजूद रही।

दो ट्रक आमने-सामने से भिडे, दोंनो वाहनों के चालक परिचालक बाल-बाल बचे ट्रक हुए क्षतिग्रस्त



अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। आगरा-अलीगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्री हनुमान जी पुलिस चौकी के निकट दो ट्रक आमने सामने से भिड गये। जिसमें दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि गनीमत रही कि किसी की जान नहीं गई और दोनों चालक बाल-बाल बच गए। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, करीब 32 वर्षीय राम सहाय पुत्र रामभजन, निवासी मोरोली ट्रक को बुलंदशहर से आलू लादकर आ रहा था। वहीं, दूसरी ओर आगरा के पिनाहट निवासी करीब 35 वर्षीय कुलदीप भोपाल से पशु आहार भरकर अलीगढ़ की ओर जा रहा था। बताते हैं कि जैसे ही दोनों ट्रक आगरा अलीगढ़ रोड स्थित श्री हनुमान जी पुलिस चौकी के निकट आए तो आग चले रहे वाहन को बचाने के प्रयास में आमने सामने से भिड गये। जिससे दोनों ट्रक क्षतिग्रस्त हो गये और दोनों वाहनों के चालक परिचालक बाल-बाल बच गये। घटना के बाद सड़क पर वाहनों का मलबा फैल गया, जिससे कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटना की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की सहायता से दोनों क्षतिग्रस्त ट्रकों को सड़क से हटवाकर किनारे करवाया। मार्ग से अवरोध हटने के बाद ही पुलिस ने यातायात शुरू कराया।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
गुरूवार, 09 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
07

बस में लटका मिला चालक का शव, हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान



बिजनौर। प्राप्त समाचार के अनुसार शहर के रोडवेज बस स्टैंड पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक खड़ी बस के अंदर चालक का शव संदिग्ध अवस्था में लटका मिला। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रथम दृष्टि से मामला संदिग्ध प्रतीत होने के चलते हत्या की आशंका भी जताई जा रही है।जानकारी के अनुसार मीरापुर निवासी 35 वर्षीय धर्मेंद्र रोडवेज में संविदा चालक के रूप में कार्यरत था। मंगलवार रात वह बस स्टैंड पर बस खड़ी कर उसी में सो गया था। बुधवार सुबह जब अन्य कर्मचारियों की नजर बस पर पड़ी तो अंदर उसका शव लटका हुआ मिला। बताया जा रहा है कि शव का आधा हिस्सा सीट पर टिका हुआ था, जिससे मामला और भी संदिग्ध नजर आ रहा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है।

चांदपुर में खनन माफियाओं का कहर! दिनदहाड़े अवैध मिट्टी खनन, प्रशासन बना मूकदर्शक

सुबह से दौड़ रहे ट्रैक्टर-डंपर, सड़कों की हालत बदतर; शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर। चांदपुर-पैजनिया मार्ग पर इन दिनों अवैध मिट्टी खनन का खेल खुलेआम जारी है, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सुबह होते ही खनन माफिया सक्रिय हो जाते हैं और बिना किसी भय के नियमों को ताक पर रखकर मिट्टी का अवैध खनन शुरू कर देते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, भारी वाहनों जैसे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के जरिए लगातार मिट्टी का परिवहन किया जा रहा है। इससे जहां सड़कों की हालत तेजी से खराब हो रही है, वहीं धूल और शोर के कारण राहगीरों और आसपास के निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा अवैध कारोबार प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर चलाया जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे खनन माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। क्षेत्र में यह चर्चा भी तेज है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध गतिविधि फल-फूल रही है।

बढ़ता जनाक्रोश

लगातार हो रहे अवैध खनन से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल

दिनदहाड़े हो रहे इस अवैध खनन ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। लोगों का मानना है कि इतनी बड़ी गतिविधि बिना किसी मिलीभगत के संभव नहीं है।

बड़ा सवालः

क्या प्रशासन खनन माफियाओं पर लगाम लगाएगा या यूं ही चलता रहेगा अवैध खनन का खेल?

मांगः स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और अवैध खनन पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की है।

बिजनौर में विजिलेंस टीम की बड़ी कार्रवाई: डीपीआरओ को 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान



बिजनौर। विजिलेंस टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी (DPRO) को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई ग्राम पंचायत से जुड़े कार्य के निस्तारण के नाम पर रिश्वत मांगने की शिकायत के बाद की गई। जानकारी के अनुसार, डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत सचिव शुभम मलिक से पहले 25 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। बाद में सौदा 20 हजार रुपये में तय हुआ। सचिव ने इसकी शिकायत विजिलेंस टीम से की, जिसके बाद टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की योजना बनाई।

बुधवार दोपहर सचिव विकास भवन स्थित कार्यालय में रिश्वत देने पहुंचा। जैसे ही उसने 20 हजार रुपये डीपीआरओ को दिए, पहले से मौके पर मौजूद विजिलेंस टीम ने तुरंत छापा मारकर उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद टीम ने कई घंटों तक कार्यालय में ही पूछताछ की और संबंधित दस्तावेजों की जांच भी की।बताया जा रहा है कि आरोपी अधिकारी रिजवान अहमद वर्तमान में अपर जिला पंचायत राज अधिकारी (अऊढफ्ड) के पद पर तैनात हैं और हाल ही में उन्हें डीपीआरओ की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।कार्रवाई के दौरान विकास भवन परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा और कर्मचारियों व अधिकारियों के बीच घटना को लेकर चचाएं तेज रहीं। प्रारंभिक पूछताछ के बाद विजिलेंस टीम आरोपी को अपने साथ बरेली ले गई, जहां आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया है और सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को लेकर सख्त संदेश गया है।

ताजपुर में सांसद चंद्रशेखर आजाद का जोरदार स्वागत, कार्यकर्ताओं में भरा जोश

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान



राजा का ताजपुर। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद के राजा का ताजपुर पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस दौरान माहौल पूरी तरह उत्साह और जोश से भरा नजर आया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी का हर पदाधिकारी कार्यकर्ताओं का सम्मान करे, क्योंकि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ की हड्डी होते हैं। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता मजबूत होगा, तभी पार्टी भी मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि आने वाला समय आजाद समाज पार्टी का होगा। साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि मजबूत बूथ कमेटी ही मजबूत संगठन की नींव होती है।

चंद्रशेखर आजाद ने कार्यकर्ताओं से कभी निराश न होने की अपील करते हुए कहा कि राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन संघर्ष ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में आजाद समाज पार्टी अपना परचम लहराएगी। उनके साथ धामपुर सांसद प्रतिनिधि विवेक सेन सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इस अवसर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश जोन प्रभारी गौहर इकबाल, ओमपाल वालियान, सलीम अहमद अंसारी, रागीब अहमद, अशरफ ठेकेदार, जयवीर सिंह, जागेश कुमार और समरपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

चांदपुर में मौसम ने ली करवट! बूंदाबांदी से गर्मी से राहत, पकी फसल पर मंडराया संकट

बादलों की दस्तक से किसानों की बढ़ी चिंता, 9 अप्रैल को बारिश का अलर्ट

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत





चांदपुर। मंगलवार की सुबह चांदपुर क्षेत्र में मौसम ने अचानक करवट लेते हुए लोगों को चौंका दिया। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। मौसम के इस बदले मिजाज से जहां आमजन को तेज गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई देने लगीं।

इस समय क्षेत्र में गेहूं सहित कई फसलें पककर तैयार खड़ी हैं। ऐसे में बारिश की संभावना किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश तेज हो गई या लगातार होती रही, तो पकी हुई फसल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। कटाई के नजदीक पहुंच चुकी फसल के लिए यह समय बेहद संवेदनशील होता है, और थोड़ी सी भी बारिश खेतों में खड़ी फसल को गिराकर बर्बाद कर सकती है।

सुबह हुई हल्की बूंदाबांदी ने ही किसानों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान मौसम पर नजर बनाए हुए हैं और अपनी फसल को बचाने के लिए हरसंभव उपाय करने की कोशिश कर रहे हैं।

मौसम विभाग का पूवार्नुमान

मौसम विभाग के अनुसार 9 अप्रैल को क्षेत्र में बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही आने वाले दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव बने रहने की आशंका है।

किसानों पर दोहरी मार

एक ओर फसल तैयार है और कटाई का समय नजदीक है, वहीं दूसरी ओर मौसम की अनिश्चितता किसानों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। ऐसे में किसान बेहद चिंतित नजर आ रहे हैं।

राहत और संकट साथ-साथ

जहां आम लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों के लिए यह मौसम आफत बनता दिख रहा है।

बड़ा सवालः क्या मौसम का यह बदलाव किसानों की मेहनत पर भारी पड़ेगा या फिर समय रहते टल जाएगा नुकसान।

बेमौसम बारिश से खेतों में तबाही! सीएम योगी का सख्त एक्शन—24 घंटे में मुआवजा, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

फसल नुकसान का तत्काल सर्वे कराने के निर्देश, 7झ9 अप्रैल तक आंधी-तूफान का अलर्ट; किसानों को जानकारी देने की अपील

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत



चांदपुर । बारिश और तेज आंधी-तूफान ने किसानों की कमर तोड़ दी है। कई जिलों में खड़ी फसलें बर्बाद होने की खबरों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हालात पर सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को तत्काल राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों से रिपोर्ट तलब करते हुए कहा है कि किसी भी स्थिति में किसानों को राहत देने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहानि, पशुहानि और घायलों को 24 घंटे के भीतर मुआवजा उपलब्ध कराया जाए और प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता दी जाए। इस मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

संयुक्त सर्वे से तय होगा नुकसान

सीएम ने राजस्व विभाग, कृषि विभाग और बीमा कंपनियों को मिलकर फसलों के नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों से कहा गया है कि विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शीघ्र शासन को भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा मिल सके।

किसानों को दी गई अहम सलाह

सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी क्षतिग्रस्त फसलों की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें। जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, वे 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। कटाई के बाद खलिहान में रखी फसल भी 14 दिन तक बीमा कवर के दायरे में रहती है।

मौसम का मिजाज बिगड़ा, अलर्ट जारी

मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के असर से प्रदेश के मौसम में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। 7 से 9 अप्रैल के बीच आंधी-तूफान और बारिश की संभावना जताई गई है। शनिवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई, जिसमें कानपुर में 21.4 मिमी और लखनऊ में 15 मिमी वर्षा दर्ज की गई। कई स्थानों पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

किसानों पर दोहरी मार

एक ओर फसलों का नुकसान, दूसरी ओर मौसम का अनिश्चित रुख—इन परिस्थितियों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। गेहूं सहित कई फसलें प्रभावित होने की आशंका है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति पर असर पड़ सकता है।

बड़ा सवालः क्या प्रशासन तय समय में राहत पहुंचा पाएगा या फिर मुआवजे के इंतजार में किसानों की मुश्किलें और बढ़ेंगी।

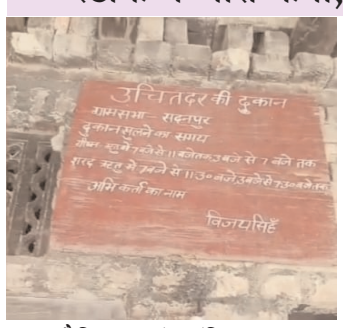
ट्रेन की चपेट में आने से बिहार के व्यक्ति की मौत।

दैनिक बुलंद मंज़िल/मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन की चपेट में आने से बिहार के एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मृतक के स्वजन को सूचना दे दी है। नजीबाबाद। जानकारी के अनुसार फजलपुर यार्ड में ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। गाड़ी संख्या-14119 के चालक ने कंट्रोल रूम मुरादाबाद तथा रेलवे स्टेशन अधीक्षक नजीबाबाद को सूचना दी कि किलोमीटर संख्या 1503/1 पर फजलपुर यार्ड में एक व्यक्ति ट्रेन से कट गया।सूचना मिलने पर आरपीएफ उपनिरीक्षक वीर सिंह और जीआरपी नजीबाबाद से उपनिरीक्षक राहुल यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जहां पर पुलिस ने देखा कि अप मेन लाइन और डाउन मेन लाइन के बीच एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव पड़ा है। मृतक की पहचान 43 वर्षीय प्रसाद मांझी पुत्र रामसहाय मांझी निवासी ग्राम कटोरवा मोचारिम, थाना बोधगया, जिला गया, बिहार के रूप में हुई।पुलिस को मौके से एक क्षतिग्रस्त कीपैड मोबाइल भी मिला, जबकि मृतक के पास कोई रेलवे टिकट नहीं मिला। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतक के स्वजन को सूचित कर दिया है।

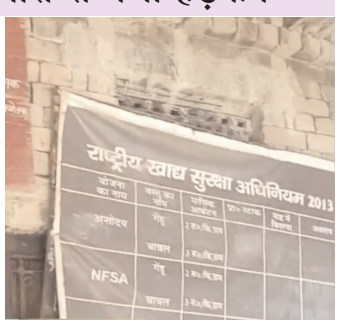
राशन माफिया पर बड़ी कार्रवाई! सदनपुर में कोटेदार की दुकान पर छापा, ताला तोड़कर खुला घोटाले का खेल

स्टॉक में भारी कमी, फर्जी बायोमैट्रिक से राशन घोटाला; FIR की तैयारी से मचा हड़कंप









दैनिक बुलंद मंजिल / नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत चांदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम सदनपुर में राशन घोटाले का बड़ा मामला सामने आया है। क्षेत्रीय पूर्ति विभाग की छापेमारी में उचित दर विक्रेता (कोटेदार) विजय सिंह की दुकान पर भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं, जिसके बाद उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है।

ग्रामीणों की शिकायत पर क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक पंकज कुमार के नेतृत्व में टीम ने दुकान पर छापा मारा। मौके पर दुकान बंद पाई गई और कोटेदार का मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद ग्राम प्रधान अजीज और अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में दुकान का ताला तोड़कर जांच की गई।

स्टॉक में भारी घोटाला उजागर

जांच के दौरान दुकान में मात्र 16 बोरी चावल और 11 बोरी गेहूं पाया गया, जबकि ऑनलाइन रिकॉर्ड में कहीं अधिक स्टॉक दर्ज था। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, 59.83 क्विंटल गेहूं और 35.47 क्विंटल चावल की भारी कमी पाई गई, जिससे बड़े स्तर पर घोटाले की पुष्टि हुई।

ई-पॉस मशीन गायब, बढ़ा शक

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दुकान पर अनिवार्य ई-पॉस मशीन और आई-स्कैनर मौजूद नहीं थे, जो कि राशन वितरण में पारदर्शिता के लिए जरूरी होते हैं। इससे कोटेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

लाभार्थियों के चौंकाने वाले आरोप

मौके पर 49 राशन कार्ड धारकों के बयान दर्ज किए गए। लाभार्थियों ने आरोप लगाया कि कोटेदार दो महीने का बायोमैट्रिक फिंगरप्रिंट लगवाकर केवल एक महीने का राशन देता था। कई लोगों को तो सिर्फ पर्ची थमा दी जाती थी, जबकि राशन नहीं दिया जाता था।

त्रक्षफ की प्रक्रिया शुरू

पूर्ति निरीक्षक ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि कोटेदार विजय सिंह ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित वस्तु (विक्रय एवं वितरण नियंत्रण) आदेश-2016 का उल्लंघन किया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

क्षेत्र में मचा हड़कंप

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के अन्य राशन विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है।

युवती के बयान को लेकर विवाद,परिजनों ने जताई पुलिस पर साजिश की आशंका

दैनिक बुलंद मंजिल /यासिर शम्सी।

नगीना देहात। क्षेत्र के गांव नरुल्लापुर निवासी एक महिला ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोप लगाया कि उसकी 22 वर्षीय पुत्री को पड़ोसी गांव कोटकादर निवासी युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया।महिला का कहना है कि गुमशुदगी दर्ज कराने के बावजूद पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। प्रार्थिनी के अनुसार बाद में जानकारी मिली कि युवक ही उसकी पुत्री को ले गया है।आरोप है कि पुलिस ने बिना परिजनों की मौजूदगी के युवती के बयान दर्ज कर लिए और उसे युवक के साथ रहने की बात कहकर मामला खत्म कर दिया।महिला ने आशंका जताई है कि उसकी पुत्री पर दबाव बनाकर बयान दिलवाए गए हो सकते हैं।पीड़िता पक्ष का यह भी आरोप है कि युवक के परिजन धमकी दे रहे हैं,जबकि पुलिस उल्टा उन्हें ही कार्रवाई में फंसाने की बात कह रही है। महिला ने एसपी से दोनों को थाने में बुलाकर उसके सामने बयान कराने और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

दीवार निर्माण के दौरान पथराव, महिलाओं समेत चार पर जमीन कब्जाने का आरोप

दैनिक बुलंद मंजिल/यासिर शम्सी।

बढ़ापुर।दीवार निर्माण के दौरान पड़ोसियों द्वारा पथराव और जमीन कब्जाने के प्रयास का मामला सामने आया है।पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।मोहल्ला गडरियान निवासी हरकली पत्नी स्वर्गीय मेघराज के अनुसार,बीते दो दिन पहले सुबह करीब 8:30 बजे वह अपने मकान की दीवार का निर्माण करा रही थीं।आरोप है कि तभी सामने रहने वाले पड़ोसी स्वीटी,प्रीति पत्नी,भोलू,वीरेन्द्र और मितेन्द्र ने अचानक झगड़ा शुरू कर दिया।पीड़िता का आरोप है कि सभी लोग पहले से पत्थर लेकर आए थे और गाली गलौज करते हुए पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी भी दी।पथराव में घर पर लगा बिजली मीटर भी क्षतिग्रस्त हो गया।शोर शराबा सुनकर आसपास के मोहल्लों से लोग मौके पर पहुंच गए और किसी तरह विवाद को शांत कराया।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
बरेली
संभल
गुरूवार, 09 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

बुलडोजर का खौफ, लोग खुद ही तोड़ रहे कब्जे

कल के ट्रेलर से कोहाड़ापीर रोड पर खौफ में लोग खुद कर रहे तोड़फोड़





दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती का असर अब साफ दिखाई देने लगा है।मंगलवार को हुई नगर निगम कि कार्यवाही से अवैध कब्जेदार खौफ में हैं। कोहाड़ापीर से धर्मकांटा चौराहे तक प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई से पहले ही इलाके में खौफ का माहौल है। बुधवार को सुबह 10 बजे से कार्रवाई की तैयारी थी, लेकिन खबर लिखे जाने तक बुलडोजर मौके पर नहीं पहुंचा है। इसके बावजूद लोग खुद ही अपने अवैध निर्माण हटाने में जुट गए हैं। नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ आज बचे हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए तैयार है। इस अभियान में करीब 40 और दुकान-मकान जद में हैं। हालांकि, बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही कई दुकानदार और मकान मालिक खुद ही हथौड़ा-छेनी लेकर अपने निर्माण तोड़ते नजर आए। लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई में भारी नुकसान से बचने के लिए वे खुद ही कब्जा हटा रहे हैं। पहले दिन 40 दुकानें और 5 मकान गिरे मंगलवार को इसी मार्ग पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 दुकानें और 5 मकान ढहा दिए,पेट्रोल पंप, मस्जिद और केडीएम इंटर कॉलेज के अवैध हिस्सों पर भी बुलडोजर चलाया गया था। नगर निगम ने कुल 80 स्थानों को चिन्हित कर लाल निशान लगाए थे, जिनमें अब बाकी हिस्सों पर कार्रवाई होनी है। इलाके में दहशत, महिलाएं रोती दिखीं मंगलवार की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा,रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद किया गया ड्रोन से निगरानी की गई। मकान और दुकानें टूटते देख कई महिलाएं रो पड़ीं। स्थानीय निवासी रानी खान ने आरोप लगाया कि वर्षों से रहने के बावजूद उन्हें उजाड़ा जा रहा है। भाजपा नेता की दुकानें भी नहीं बचीं सत्ताधारी दल से जुड़ी नेता और बरेली कॉलेज की रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. पूर्णिमा अनिल की आठ दुकानों पर भी बुलडोजर चला। उन्होंने दावा किया कि उनके पास स्वीकृत नक्शे हैं, लेकिन नगर निगम पुराने रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई कर रहा है।

जाम से राहत के लिए अभियानः नगर आयुक्त

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कोहाड़ापीर चौराहे पर रोजाना जाम की गंभीर समस्या है। सड़क पर अतिक्रमण कर दुकानें बना ली गई थीं।फरवरी में नोटिस देकर दस्तावेज मांगे गए थे। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ी होने से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। CM-GRID योजना से बनेगी स्मार्ट रोड इस मार्ग को उट-ऋक्कळ योजना के तहत मॉडल रोड बनाया जाएगा। प्रमुख सुविधाएं जिसमें यूटिलिटी डक्ट (बिजली-पानी लाइन),चौड़े फुटपाथ,साइकिल ट्रैक,एलईडी लाइट,आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम व ग्रीन बेल्ट आदि बनेगा।

प्रोजेक्ट का पूरा खाका

लंबाईः 2.4 किलोमीटर

चौड़ाईः 24 मीटर (करीब 80 फीट)

बजटः लगभग 47 करोड़ रुपये

वर्तमान चौड़ाईः 12झ18 मीटर

बुलडोजर आने से पहले ही खाली हो रही दुकानें

नगर निगम की सख्ती का असर इतना है कि बिना मशीन चले ही लोग अपने निर्माण हटाने लगे हैं। इससे इलाके में प्रशासन की कार्रवाई का साफ खौफ दिखाई दे रहा है।

बरेली में अतिक्रमण हटाने का अभियान अब निर्णायक चरण में है। एक ओर प्रशासन शहर को जाम मुक्त और स्मार्ट बनाने की दिशा में काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित लोगों में डर और असंतोष भी बढ़ता जा रहा है।

बुलडोजर का खौफ, लोग खुद ही तोड़ रहे कब्जे

कल के ट्रेलर से कोहाड़ापीर रोड पर खौफ में लोग खुद कर रहे तोड़फोड़

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती का असर अब साफ दिखाई देने लगा है।मंगलवार को हुई नगर निगम कि कार्यवाही से अवैध कब्जेदार खौफ में हैं। कोहाड़ापीर से धर्मकांटा चौराहे तक प्रस्तावित बुलडोजर कार्रवाई से पहले ही इलाके में खौफ का माहौल है। बुधवार को सुबह 10 बजे से कार्रवाई की तैयारी थी, लेकिन खबर लिखे जाने तक बुलडोजर मौके पर नहीं पहुंचा है। इसके बावजूद लोग खुद ही अपने अवैध निर्माण हटाने में जुट गए हैं। नगर निगम की टीम पुलिस बल के साथ आज बचे हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए तैयार है। इस अभियान में करीब 40 और दुकान-मकान जद में हैं। हालांकि, बुलडोजर की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही कई दुकानदार और मकान मालिक खुद ही हथौड़ा-छेनी लेकर अपने निर्माण तोड़ते नजर आए। लोगों का कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई में भारी नुकसान से बचने के लिए वे खुद ही कब्जा हटा रहे हैं। पहले दिन 40 दुकानें और 5 मकान गिरे मंगलवार को इसी मार्ग पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 40 दुकानें और 5 मकान ढहा दिए,पेट्रोल पंप, मस्जिद और केडीएम इंटर कॉलेज के अवैध हिस्सों पर भी बुलडोजर चलाया गया था। नगर निगम ने कुल 80 स्थानों को चिन्हित कर लाल निशान लगाए थे, जिनमें अब बाकी हिस्सों पर कार्रवाई होनी है। इलाके में दहशत, महिलाएं रोती दिखीं मंगलवार की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा,रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद किया गया ड्रोन से निगरानी की गई। मकान और दुकानें टूटते देख कई महिलाएं रो पड़ीं। स्थानीय निवासी रानी खान ने आरोप लगाया कि वर्षों से रहने के बावजूद उन्हें उजाड़ा जा रहा है। भाजपा नेता की दुकानें भी नहीं बचीं सत्ताधारी दल से जुड़ी नेता और बरेली कॉलेज की रिटायर्ड प्रोफेसर डॉ. पूर्णिमा अनिल की आठ दुकानों पर भी बुलडोजर चला। उन्होंने दावा किया कि उनके पास स्वीकृत नक्शे हैं, लेकिन नगर निगम पुराने रिकॉर्ड के आधार पर कार्रवाई कर रहा है।

जाम से राहत के लिए अभियानः नगर आयुक्त

नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कोहाड़ापीर चौराहे पर रोजाना जाम की गंभीर समस्या है। सड़क पर अतिक्रमण कर दुकानें बना ली गई थीं।फरवरी में नोटिस देकर दस्तावेज मांगे गए थे। उन्होंने कहा कि सड़क चौड़ी होने से आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी।

उट-ऋक्कळ योजना से बनेगी स्मार्ट रोड

इस मार्ग को उट-ऋक्कळ योजना के तहत मॉडल रोड बनाया जाएगा। प्रमुख सुविधाएं जिसमें यूटिलिटी डक्ट (बिजली-पानी लाइन),चौड़े फुटपाथ,साइकिल ट्रैक,एलईडी लाइट,आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम व ग्रीन बेल्ट आदि बनेगा।

प्रोजेक्ट का पूरा खाका

लंबाईः 2.4 किलोमीटर

चौड़ाईः 24 मीटर (करीब 80 फीट)

बजटः लगभग 47 करोड़ रुपये

वर्तमान चौड़ाईः 12झ18 मीटर

बुलडोजर आने से पहले ही खाली हो रही दुकानें

नगर निगम की सख्ती का असर इतना है कि बिना मशीन चले ही लोग अपने निर्माण हटाने लगे हैं। इससे इलाके में प्रशासन की कार्रवाई का साफ खौफ दिखाई दे रहा है।

बरेली में अतिक्रमण हटाने का अभियान अब निर्णायक चरण में है। एक ओर प्रशासन शहर को जाम मुक्त और स्मार्ट बनाने की दिशा में काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रभावित लोगों में डर और असंतोष भी बढ़ता जा रहा है।

अब 22 साल तक के युवाओं को मौका, 10 अप्रैल तक बढ़ी रजिस्ट्रेशन डेट

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। देशसेवा का सपना देखने वाले युवाओं के लिए बड़ी खबर है। भारतीय सेना ने फ्री१४३ल्लें ि१ 2027 के तहत अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। बरेली कॉलेज प्रशासन ने छात्रों को इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल के संयोजक डॉ. राजीव कुमार यादव ने बताया कि अभ्यर्थियों की मांग को देखते हुए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 तक बढ़ा दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

अब 22 वर्ष तक के युवा कर सकेंगे आवेदन

इस बार सरकार ने युवाओं को बड़ी राहत देते हुए अधिकतम आयु सीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 22 वर्ष कर दी है। अब 17.5 वर्ष से 22 वर्ष तक के अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

जून में होगी लिखित परीक्षा

भर्ती प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा जून 2026 में आयोजित की जाएगी, जिससे पहले शारीरिक दक्षता और अन्य चरण होंगे। बरेली कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश राय ने सभी छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे समय रहते आवेदन करें और इस अवसर का लाभ उठाकर देशसेवा में योगदान दें। अग्निवीर भर्ती 2027 युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर बनकर सामने आई है। जो युवा सेना में करियर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह सही समय है।

सड़क हादसों ने मचाया कोहराम : टैंकर और बाइक की टक्कर से बुजुर्ग व युवक की मौत

झुमका चौराहे पर टैंकर ने ली बुजुर्ग की जान, भोजीपुरा में बाइक हादसे में युवक की मौत

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मंगलवार-बुधवार के बीच हुए दो अलग-अलग दर्दनाक हादसों में एक बुजुर्ग और एक युवक की जान चली गई। दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। झुमका चौराहे पर टैंकर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत थाना फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र के गांव धंटिया निवासी 70 वर्षीय चंद्रपाल की सोमवार सुबह दर्दनाक मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक चंद्रपाल डीपीएस स्कूल में चौकीदार थे। ड्यूटी खत्म कर साइकिल से घर लौट रहे थे।झुमका चौराहे पर तेज रफ्तार टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी।हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अब टैंकर चालक की तलाश में जुटी है और आसपास के उठ्ठश फुटेज खंगाल रही है।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

चंद्रपाल अपने पीछे पत्नी सावित्री और बच्चों को छोड़ गए हैं। अचानक हुई इस घटना के बाद घर में मातम पसरा है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। दूसरा हादसाः भोजीपुरा में बाइक की टक्कर से युवक की मौत थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव पीपल साना चौधरी निवासी 30 वर्षीय विनोद कश्यप की भी सड़क हादसे में जान चली गई। परिजनों के अनुसार विनोद राममूर्ति अस्पताल में प्राइवेट नौकरी करते थे।26 तारीख की शाम ड्यूटी से घर लौट रहे थे।भोजीपुरा पुल के पास पीछे से आ रही तेज बाइक ने टक्कर मार दी।गंभीर रूप से घायल विनोद को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन मंगलवार रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया विनोद परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य था। पत्नी आरती का रो-रोकर बुरा हाल चार छोटे बच्चों का भविष्य संकट में आ गया है। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। तेज रफ्तार बनी जानलेवा बरेली में लगातार बढ़ते सड़क हादसे एक बार फिर सवाल खड़े कर रहे हैं—क्या ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और तेज रफ्तार पर लगाम लग पाएगी।दो अलग-अलग हादसों ने यह साफ कर दिया है कि सड़क पर लापरवाही कितनी भारी पड़ सकती है। एक ओर बुजुर्ग की जिंदगी खत्म हुई, तो दूसरी ओर चार मासूम बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया।

जनसुनवाई में सख्त दिखे एसएसपी,फरियादियों की समस्याओं पर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश, अधिकारियों को दी सख्त हिदायत

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। एसएसपी कार्यालय बरेली में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। पुलिस कार्यालय में हुई जनसुनवाई के दौरान एसएसपी अनुराग आर्य ने एक-एक कर शिकायतकताओं की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मामलों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे,पीड़ितों को बेवजह परेशान न किया जाए। फरियादियों को





मिला भरोसा जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे एसएसपी के सामने रखीं, जिससे उन्हें न्याय की उम्मीद जगी। कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए गए, जबकि अन्य मामलों को संबंधित थानों व शाखाओं को भेजकर जल्द निस्तारण के निर्देश दिए गए।

पुलिस की प्राथमिकताः जनता को न्याय

एसएसपी ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों के निस्तारण में देरी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

निरीक्षक मुकेश कुमार बने सीओ, एसएसपी ने रैंक लगाकर दी बधाई

एसएसपी अनुराग आर्य ने रैंक प्रतीक लगाकर दी शुभकामनाएं, उज्ज्वल भविष्य की कामना

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। बरेली पुलिस महकमे में एक अहम पदोन्नति के तहत निरीक्षक मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) के पद पर प्रोन्नत किया गया। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने उन्हें रैंक प्रतीक लगाकर सम्मानित किया।

पुलिस कार्यालय में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम के दौरान एसएसपी अनुराग आर्य ने नव पदोन्नत अधिकारी मुकेश कुमार के कंधों पर सीओ के रैंक प्रतीक लगाकर उन्हें बधाई दी। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि यह पदोन्नति उनकी मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है। उन्होंने मुकेश कुमार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे नई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे।

अधिकारियों की मौजूदगी

इस मौके पर एसपी नॉर्थ मुकेश चंद्र मिश्रा सहित पुलिस



विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सभी ने नव पदोन्नत सीओ को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। निरीक्षक से सीओ पद पर पदोन्नति पुलिस सेवा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जाती है, जो अधिकारी की कार्यशैली और समर्पण को दर्शाती है।

सिटी स्टेशन के बंद क्वार्टर में मिला युवक का शव, चेहरे पर चोट के निशान, शिनाख्त नहीं, जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। शहर के बरेली सिटी स्टेशन परिसर में लंबे समय से बंद पड़े रेलवे क्वार्टर से बुधवार दोपहर एक युवक का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी, लेकिन देर शाम तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी। बरेली सिटी स्टेशन के क्वार्टर नंबर टी-16 में काफी समय से ताला पड़ा था। बुधवार दोपहर सेक्शन इंजीनियर संजीव कुमार भारती ने अंदर से दुर्गंध आने पर मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्वार्टर खुलवाकर अंदर देखा तो एक युवक का शव पड़ा मिला।

जीआरपी ने सिविल पुलिस को सौंपा मामला इंस्पेक्टर जीआरपी बरेली सिटी अमित शर्मा ने बताया कि घटना स्थल सिविल क्षेत्र में आता है, इसलिए मामला सिविल पुलिस को सौंप दिया गया। इसके बाद कोतवाली के अपराध निरीक्षक आदेश कुमार, बिहारीपुर चौकी प्रभारी शिवम और फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 25 से 26 वर्ष के बीच प्रतीत हो रही है। युवक के चेहरे और होंठ पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। हालांकि मौके से कोई पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं मिला।

नशे की हालत में मौत की आशंका

इंस्पेक्टर कोतवाली धनंजय पांडेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया युवक नशे का आदी लग रहा है। आशंका है कि उसकी मौत मंगलवार रात के दौरान हुई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से मृतक की शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

4 जुआरी गिरफ्तार, नकदी व ताश के पत्ते बरामद

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए इलाके में चल रहे अवैध जुए के अड्डे का भंडाफोड़ कर दिया। पुलिस ने मौके से 4 शातिर जुआरियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से नकदी और ताश के पत्ते बरामद हुए हैं।बारादरी पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि खुशलोक अस्पताल के पीछे गली में कुछ लोग ताश के पत्तों पर पैसे लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना देरी किए मौके पर दबिश दी। पुलिस ने चारों आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि वे जीत-हार के पैसों से अपना और परिवार का खर्च चलाते हैं। गिरफ्तार आरोपी ने अपने नाम मुन्ना उर्फ यासीन,अशरफ ,शाहिद व जाकिर बताया। पुलिस में 2,380 रुपए व ताश के पत्ते बरामद किए हैं।चारों आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

टाटा बिल्डिंग इंडिया निबंध प्रतियोगिता में अर्शी ने बाजी मारी

दैनिक बुलन्द मंज़िल



टाटा बिल्डिंग इन इंडिया द्वारा विद्यालय स्तर पर आत्मनिर्भर भारत विषय को लेकर प्रधानाध्यापक लाल बहादुर गंगवार के निर्देशन में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें अर्शी को प्रथम स्थान सोनाली को द्वितीय तथा आलिया को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ । विद्यालय में प्रमाण पत्र संस्था द्वारा प्राप्त होने पर आज इन तीनों बच्चों को विद्यालय की ओर से भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए और मेडल से विभूषित किया गया इस अवसर पर कक्षा अध्यापक दीपा गुप्ता रेनू गंगवार रमेश सागर मीनू रस्तोगी आदि उपस्थित रहे एवं प्रोत्साहित किया विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने वार्ता के दौरान बताया विद्यालय में प्रत्येक माह सुलेख निबंध सामान्य ज्ञान भाषण चित्रकला एवं अन्य प्रतियोगिताएं अनवरत चलती रहती हैं बच्चे खूब बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं इसी कारण विकास क्षेत्र एवं जिले स्तर पर भी प्रतिभागिता बनी रहती है।

महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली में आईआईटी रोपड़ के सहयोग से ड्रीम्स शोध परियोजना की प्रगति समीक्षा कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह की अध्यक्षता में संपन्न

दैनिक बुलन्द मंज़िल

महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली में आईआईटी रोपड़ के सहयोग से अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा पेयर योजना के अंतर्गत स्वीकृत शोध परियोजना ड्रीम्स का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उक्त परियोजना भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना में विश्वविद्यालय एवं आईआईटी रोपड़ के अलावा विभिन्न प्रदेशों के छह अन्य विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। उक्त शोध परियोजना का प्रमुख उद्देश्य उन्नत मैटेरियल का विकास करना है, जिससे देश की ऊर्जा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग मिल सके तथा रेयर अर्थ मैटेरियल पर निर्भरता को कम किया जा सके।

परियोजना के प्रमुख अन्वेषक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह हैं। उनके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के छह अन्य शिक्षक भी सह-प्रमुख अन्वेषक के रूप में परियोजना से जुड़े हुए हैं। परियोजना पर कार्य हेतु पाँच अनुसंधान कर्मियों की नियुक्ति की गई है, जिनमें डॉ. धर्मेन्द्र सिंह राघव तथा डॉ. कुमकुम गंगवार रिसर्च एसोसिएट के रूप में, एवं नितिन रत्नाकर, विशेष गंगवार तथा सोनाली सिंह प्रोजेक्ट एसोसिएट के रूप में कार्यरत हैं।

आज दिनांक 8 अप्रैल को परियोजना के प्रमुख अन्वेषक कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह द्वारा परियोजना की प्रगति समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में प्रोफेसर नवीन कुमार एवं डॉ. ब्रजेश कुमार के साथ-साथ पाँचों अनुसंधान कर्मी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी पाँच अनुसंधान कर्मियों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की गई तथा आगे की कार्य योजना रखी गई।

कुलपति महोदय ने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए नवाचार पर विशेष जोर दिया। उन्होंने ऐसे शोध कार्यों को करने का मार्गदर्शन दिया जिसका उपयोग देश की ऊर्जा एवं सुरक्षा आवश्यकताओं को पूर्ण करने तथा रेयर अर्थ मैटेरियल पर निर्भरता कम करने में प्रभावी हो। साथ ही, उन्होंने आगे की कार्य योजना पर महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए आवश्यक उपकरणों की खरीदारी हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

सभी शोध कर्मियों एवं सह-प्रमुख अन्वेषकों ने कुलपति महोदय के मार्गदर्शन के अनुरूप शोध परियोजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

खंडहर में छिपा था हथियारबंद, पुलिस ने दबोचा

मुखबिर की सूचना पर बारादरी पुलिस की कार्रवाई, 315 बोर तमंचा व कारतूस बरामद

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना बारादरी पुलिस ने मंगलवार देर रात गश्त के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर आरोपी को अवैध तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी खंडहर में छिपकर बैठा था और किसी वारदात की फिराक में बताया जा रहा है। पुलिस टीम श्यामगंज चौराहे पर चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर ने सूचना दी कि विकास भवन के पीछे खंडहर में एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश दी और आरोपी को घेरकर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम खालिद पुत्र असलम, निवासी काजी टोला, थाना बारादरी, बताया। उसकी उम्र करीब 38 वर्ष है। तलाशी में



आरोपी के पास से एक देशी तमंचा (315 बोर) एक जिंदा कारतूस 100 रुपए नकद बरामद हुए है। पुलिस के अनुसार तमंचा चालू हालत में था। आरोपी के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपनी सुरक्षा के लिए तमंचा रखता था, क्योंकि उस पर पहले से गौकशी के मामले दर्ज हैं।

तेज रफ्तार पिकअप ने बुजुर्ग को रौंदा, ट्रक से टकराकर पलटी, मौत के बाद सीमा विवाद में उलझी पुलिस

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के पास झुमका तिराहे पर बुधवार सुबह ड्यूटी से लौट रहे बुजुर्ग को तेज रफ्तार पिकअप ने कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई, जबकि पिकअप भी अनियंत्रित होकर ट्रक से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद पुलिस कार्रवाई से ज्यादा सीमा विवाद में उलझी नजर आई। फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र के गांव धनतिया निवासी 70 वर्षीय चंद्रपाल गंगवार परसाखेड़ा स्थित एक कार शोरूम के गोदाम में ड्यूटी करते थे। बुधवार सुबह करीब छह बजे वह साइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह झुमका तिराहा पार कर रहे थे, बिलवा की ओर से तेज गति से आ रही मुर्गियों से भरी पिकअप ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक से भिड़ी पिकअप बुजुर्ग को कुचलने के बाद पिकअप अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रक में जा भिड़ी। टक्कर के बाद पिकअप सड़क पर ही पलट गई। हादसे में चंद्रपाल गंगवार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पिकअप में भरी बड़ी संख्या में मुर्गियां भी मर गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप को कब्जे में ले लिया। शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। सीमा विवाद में उलझी कार्रवाई हादसे के बाद परसाखेड़ा चौकी पुलिस और फतेहगंज पश्चिमी पुलिस के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर विवाद सामने आया। दोनों थाने घटना स्थल को अपने-अपने क्षेत्र से बाहर बताते रहे, जिसके चलते पोस्टमार्टम की प्रक्रिया को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी रही। मृतक चंद्रपाल गंगवार के परिवार में पत्नी सावित्री देवी, पुत्र हरेंद्र गंगवार और पुत्री सोनिया हैं। बेटे की शादी हो चुकी है, जबकि बेटी अविवाहित है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

हज यात्रा को सकुशल बनाने के लिए सभी मिलकर काम करें:- हाफिज ऐजाज अहमद

दैनिक बुलन्द मंज़िल /(जानेआलम तुर्की)

सम्भल:- आज यूपी हज कमेटी के मेम्बर जनाब हाफिज ऐजाज अहमद साहब जिला सम्भल के दौरे पर आए, इस मौके पर शहर सम्भल के मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मण्डी में सम्भल के हज ट्रेनर्स के साथ मीटिंग की।

साथ में जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार जी मौजूद रहे।

मीटिंग में हाफिज ऐजाज साहब ने सभी ट्रेनर्स से बातचीत करते हुए कहा कि सभी लोग अपने स्तर पर काम करें और पूरी ईमानदारी के साथ अपना कर्तव्य निभाएँ।

मरकजी मदरसा में हज सेन्टर की व्यवस्था देखकर खुशी का



इजहार करते हुए कहा कि मैं बहुत सी जगह जाता हूँ लेकिन कहीं भी इतनी अच्छी व्यवस्था नहीं देखी, यहाँ सभी हज यात्रियों का रिकॉर्ड रखा हुआ है, उनकी सभी जरूरतों के लिए यहाँ हर वक़्त लोग मौजूद हैं, यहाँ सभी व्यवस्थाएँ देख कर सच में मन बहुत प्रसन्न हुआ। अगर किसी को कोई समस्या आती है तो आप लोग लिख कर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार जी के द्वारा या फिर डायरेक्ट मुझको भेज सकते हैं ताकि समस्या का निस्तारण किया जा सके।सभी ट्रेनर अपना काम बखूबी अंजाम दे रहे हैं, अपना शत प्रतिशत दे रहे हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार जी ने कहा कि कभी भी कोई परेशानी आए तो हम लोग यहाँ बैठे हुए हैं आप जब भी आएँगे आपकी समस्या का हल किया जाएगा। हज ट्रेनर हाजी नदीम ने कुछ समस्याओं से अवगत कराया जिसको अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार जी ने उनको नोट किया और जल्दी ही निस्तारण का आश्वासन दिया। इस मौके पर जिला हज ट्रेनर अब्दुल खालिक, तकी अशरफ एडवोकेट, मुहम्मद अहमद रजा, उम्मे हबीबा, मुफ़्ती आलम नूरी, कारी शाहिद आदि मौजूद रहे।

कथा वाचक निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डा. स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज से भक्तो ने लिया आशीर्वाद



दैनिक बुलंद मंज़िल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी। बहजोई मे श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कथा वाचक निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डा. स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज कथा का वाचन किया जा रहा है। निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डा. स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज बुधवार की दोपहर रामस्वरूप रोड स्थित जैन पैलेस में पहुंचे। इसके पश्चात नरौरा राजघाट से आए ब्राह्मणों ने महाआरती का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु भी मौजूद रहे। आरती के उपरांत निरंजन पीठाधीश्वर से बारी-बारी से अपने भक्तों चरणस्पर्श कर आशीर्वाद लिया। निरंजन पीठाधीश्वर के दर्शन व आशीर्वाद लेने के लिए काफी संख्या में भक्त गण पहुंचे थे। पीठाधीश्वर ने कहा कि हमेशा दूसरों के भले के विषय में कार्य करना चाहिए। हमें किसी से ईर्ष्या करने की जरुरत नहीं है। क्योंकि ईर्ष्या करने वाला मनुष्य कभी पनपने नहीं देती। इसलिए सभी के साथ मिलकर व देश हित में कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया, मुरादाबाद के मेयर विनोद कुमार अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह चौधरी, मौसम गुप्ता, अंकित जैन, मोहित जैन, फूल प्रकाश, अभिनव शर्मा, अरविंद गुप्ता, परमेश्वर लाल सैनी, पंकज शर्मा, राहुल अग्रवाल, अनुराग मित्तल आदि मौजूद रहे।

गंगा की लहरों ने छीन लिया घर का चिराग: तीसरे दिन उतराता मिला सोमवीर का शव।

दैनिक बुलंद मंजिल / संवाददाता रामौतार शर्मा

संभल,बबराला/राजघाट गंगा में स्नान के दौरान डूबे युवक का शव तीसरे दिन बुधवार सुबह नदी में उतराता मिला। गोताखोरों और एनडीआरएफ की कड़ी मशक्कत के बाद शव घटनास्थल से करीब दो किलोमीटर दूर फरीदपुर के जंगल के पास मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की मौत से परिवार में चीख-पुकार मची है।

गहरे पानी में जाने से हुआ था हादसा

धनारी थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानगढ़ करेला की मढ़ैया निवासी सोमबीर



मृतक का फाइल फोटो।

32 वर्ष पुत्र मोहनलाल, बीते सोमवार को अपने भाई जितेंद्र और बहनोई उमेश के साथ राजघाट पर गंगा स्नान करने आया था। सुबह करीब 11 बजे स्नान करते समय सोमबीर अचानक गहरे पानी में चला गया। भाई और बहनोई उसे डूबता देख किनारे से। चीखते-चिल्लाते रहे, लेकिन कुछ ही पलों में वह आंखों से ओझल हो गया।तीन दिन तक चला सर्च ऑपरेशन हादसे के बाद से ही स्थानीय गोताखोर और। एनडीआरएफ की टीम लगातार सोमबीर की तलाश में जुटी थी। दो दिनों तक कोई सुराग न मिलने से परिजन हताश थे। बुधवार सुबह करीब सात बजे, बबराला थाना क्षेत्र के गांव फरीदपुर के जंगल में गौशाला के समीप खेतों पर काम करने गए ग्रामीणों ने एक शव को पानी में तैरते देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने शव की शिनाख्त सोमबीर के रूप में की।दिल्ली में गोलगप्पे बेचकर चलाता था परिवार सोमबीर दिल्ली में ठेला लगाकर गोलगप्पे बेचता था और अपने परिवार का मुख्य सहारा था। उसकी मौत के बाद पत्नी अमलेश, बेटियों क्रांति व नेहा, बेटों ध्रुव व कालू और वृद्ध मां रामदेही का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी इस घटना के बाद से मातम पसरा हुआ है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। विधिक कार्यवाही पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

स्कूल चलो अभियान" के तहत बच्चों का तिलक लगाकर, फूल बरसाकर और फीता काटकर भव्य स्वागत किया गया।





दैनिक बुलंद मंज़िल / अजयपाल यादव

बदायूं। सहसवान-ब्लॉक दहगवां में संविलियन विद्यालय में नवीन सत्र के प्रारंभ होने पर युवा भाजपा नेता मयंक गुप्ता ने फीता काट कर बच्चों का विद्यालय में प्रवेश कराया तथा गत वर्ष के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया एवं समाज को जागरूक करने के उद्देश्य हेतु स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया नवीन शैक्षिक सत्र के पहले दिन शिक्षकों से लेकर बच्चों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला नवीन शैक्षिक सत्र के पहले दिन जैसे ही विद्यालय के गेट पर बच्चे पहुंचे तो युवा भाजपा नेता मयंक गुप्ता ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दी अधिकांश स्कूलों से स्कूल चलो रैली निकाली गई शिक्षकों ने बच्चों के साथ रैली के माध्यम से 6 से 14 वर्ष तक के वंचित बच्चों के स्कूल में नामांकन पर जोर दिया।

बिलासपुर सीएचसी पर ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक की सेवा बहाल

सीएमओ ने चेतावनी के साथ दी अनुमति

रामपुर । मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय रामपुर से जारी आदेश के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलासपुर के ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक शहाबुद्दीन की सेवा पुनः बहाल कर दी गई है। यह निर्णय जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति के अनुमोदन के बाद लिया गया। बताया गया कि पूर्व में संबंधित कर्मचारी की सेवाएं 25 फरवरी 2026 को समाप्त कर दी गई थीं। बाद में 17 मार्च 2026 को प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में पारिवारिक आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए सेवा बहाली का अनुरोध किया गया। इस पर विचार करते हुए 5 अप्रैल 2026 को सेवा बहाल करने की अनुमति प्रदान की गई। हालांकि आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या पुनरावृत्ति पाए जाने पर सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी जाएंगी, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित कर्मचारी की होगी। सीएमओ ने निर्देश दिए हैं कि कर्मचारी तत्काल अपने कार्यस्थल पर उपस्थित होकर पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रांत यादव ने ग्राम चलो "अभियान" के तहत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

दैनिक बुलंद मंज़िल / अजयपाल यादव बदायूं



बदायूं : सहसवान में बुधवार को भाजपा नेता विक्रांत यादव ने बस्ती/ग्राम चलो अभियान के तहत सहसवान नगर के ग्राम कोल्हार व मचौना की मढ़ैया में केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।साथ ही अभियान के अंतर्गत ग्राम में स्वच्छता अभियान चलाया।इस दौरान लाभार्थियों को पटका पहनाकर स्वागत किया।इस मौके पर देवेन्द्र प्रजापति, नगर महामंत्री, दीपक गुप्ता नगर महामंत्री, सेक्टर संयोजक ओमपाल राणा,मंडल उपाध्यक्ष दुर्गपाल यादव,(बूथ अध्यक्ष धर्मवीर राणा,राजवीर शाक्य, हरिओम मौर्य, टिंकू कश्यप) पूर्व डीलर कौल्हार मुकेश बाबू,भूपसिंह डीलर, आदि मौजूद रहे।

भाजपा के पदाधिकारियों का गांव चलो अभियान कैला देवी मंडल में घर घर पहुंच कर सरकार की योजनाओं की दी जानकारी





भूरे सिंह यादव/ बुलंद मंज़िल

सौंधन/संभल। संभल के असमोली विधानसभा क्षेत्र के कैला देवी मंडल में भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा चलाया गांव चलो अभियान ' भाजपा के पदाधिकारियों ने अभियान के तहत घर-घर संपर्क कर भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में ग्रामीणों के लोगों को अवगत कराया गया ' इस दौरान भाजपा जिला मंत्री श्री देवचंद सैनी जुगलकिशोर मंडल अध्यक्ष पान सिंह यादव मंडल उपाध्यक्ष बूथ अध्यक्ष विक्रम सैनी बूथ अध्यक्ष मनसुख यादव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाड़े पर बुलाकर पिता-पुत्र की बेरहमी से हत्या, खेतों में फेंके गए शव

बोलेरो पिकअप लूटने की साजिश में रची गई खौफनाक वारदात, पुलिस मुठभेड़ में एक आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल / संवाददाता रामौतार शर्मा

संभल /धनारी थाना क्षेत्र में भाड़े पर बोलेरो पिकअप चलाने वाले पिता-पुत्र की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया। मजदूर लाने के बहाने बुलाए गए दोनों को रास्ते में ही मौत के घाट उतार दिया गया। हत्या के बाद आरोपियों ने उनके शव जनपद शामली के खेतों में फेंक दिए और बोलेरो पिकअप लूटकर फरार हो गए।इस दिल दहला देने वाली वारदात के खुलासे में पुलिस ने बुधवार को एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके दो साथी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला।मजदूर लाने के बहाने निकले थे पिता-पुत्र जानकारी के अनुसार धनारी थाना क्षेत्र के गांव भिरावटी के मजरा मलुआ के घेर निवासी नरेश 41और उनका पुत्र भीमसेन 19 बोलेरो पिकअप चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

परिजनों के मुताबिक 2 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे नरेश के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्तियों का फोन आया। फोन करने वालों ने मेरठ से मजदूर लाने के लिए गाड़ी बुक करने की बात कही। इसके बाद नरेश अपने पुत्र







पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया आरोपी

भीमसेन के साथ बोलेरो पिकअप संख्या वढ-38 इळ-1551 लेकर घर से निकल पड़े।रात करीब 10 बजे दोनों की आखिरी बार एक रिश्तेदार से फोन पर बात हुई थी। उस दौरान उन्होंने बताया था कि वे दिल्ली रोड स्थित गढ़ टोल प्लाजा के पास हैं। इसके बाद अचानक दोनों के मोबाइल फोन बंद हो गए और उनका कोई सुराग नहीं मिला।

तलाश के बाद भी नहीं मिला कोई पता परिजनों ने पहले अपने स्तर पर आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों में तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद धनारी थाने में सूचना दी गई।पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर संभावित स्थानों पर तलाश शुरू की और सर्विलांस के माध्यम से कॉल डिटेल भी खंगाली, लेकिन कई दिनों तक कोई सफलता नहीं मिल सकी।शामली के खेतों में मिले दोनों के शव,7 अप्रैल को जनपद शामली के कोतवाली क्षेत्र के काबडौत गांव के पास खेतों में दो अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने परिजनों को बुलाकर पहचान कराई, जिसमें दोनों शव नरेश और भीमसेन के निकले।पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों की मौत गला दबाकर हत्या किए जाने से होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या और लूट की धाराएं बढ़ा दीं।

पुलिस मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार,

घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर तंत्र की मदद ली। बुधवार 8 अप्रैल को धनारी थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान बदायूं जिले के थाना मूसाझाग क्षेत्र के गांव चिंजरी निवासी मनोज बीस को घेर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने भागने की कोशिश की, जिस दौरान मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लग गई। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए सीएचसी बहजोई भेजा गया पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने दो साथियों अरविंद और संतोष के साथ मिलकर इस वारदात की साजिश रची थी। तीनों ने पहले से योजना बनाकर बोलेरो पिकअप भाड़े पर बुक की और रास्ते में पिता-पुत्र की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शवों को शामली के खेतों में फेंक दिया और वाहन लेकर फरार हो गए।पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और लूटी गई बोलेरो पिकअप की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।गांव पहुंचते ही मचा कोहराम जब दोनों पिता-पुत्र के शव उनके पैतृक गांव पहुंचे तो पूरे इलाके में मातम छा गया। एक ही घर से दो जनाजे उठने से गांव का माहौल गमगीन हो गया।एक मां के सामने उसके पति और बेटे के शव एक साथ पहुंचने पर वह बेसुध हो गई। वहीं भीमसेन की पत्नी अपने पति का शव देखकर बिलख-बिलख कर रोने लगी। गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया हाईवे जाम, घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शवों को लेकर हाईवे पर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। सैकड़ों की संख्या में लोग मौके पर जुट गए और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग करने लगे।ग्रामीणों ने प्रशासन से 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग रखी।पुलिस और प्रशासन ने दिया कार्रवाई का आश्वासन घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। फिलहाल पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और अब सभी की नजर पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है।

पिता पुत्रों पर हमले के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार।

रास्ते को लेकर हुए विवाद के एक आरोपी को पुलिस ने जेल भेजा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बीरेंद्र सिंह/सिंहपुसानी । थाना क्षेत्र नखासा के गांव भारतल सिरसी में रास्ते को लेकर हुए विवाद के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बीते रविवार की शाम को गांव में मकान से बुग्गी टकराने को लेकर हुई कहासुनी के बाद खूनी संघर्ष का रूप ले लिया था जिसमें गांव निवासी बाबूराम और उनके दोनों पुत्रों को गंभीर चोटें आयी थीं। मामला दो समुदायों का होने के कारण गांव में पीएसी मौजूद है।पीड़ितों की तहरीर पर थाना पुलिस ने छ नामजद सहित लगभग 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करते हुए कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी थी।

The Fate of Kashmiri Willows

Arjumand Wani

The effects of climate change are being felt ever more strongly in the Kashmir Valley with each passing year. The latest to feel the impact is the region's traditional cricket bat making industry.

According to a research paper, the Valley has a bat-making tradition that spans more than a century. Around three million cricket bats are manufactured annually in Kashmir, supplying domestic and international markets, says Fawzul Kabeer, spokesperson of the Cricket Bat Manufacturing Association of Kashmir (CBMAK). More than 150 bat manufacturing units and retail shops operate along the National Highway 44 in south Kashmir's Sangam, the centre of the Valley's willow bat industry.

Industry estimates suggest that around 1.5 lakh people are directly or indirectly associated with the bat industry in Kashmir, including labourers, craftsmen, traders and transport workers.

However, all this is under threat if the winter of 2025-26 is anything to go by. The Valley received little snowfall this time, allowing production to continue through months that were earlier marked by harsh weather and work stoppages. Industry stakeholders say this reflects a deeper shift in climate patterns that is affecting the very resource the industry depends on.

Water, willow and employment

"We had a natural advantage in south Kashmir because we had many streams full of water," says Haji Mohammad Amin Wani, a sawmill owner who supplies clefts to bat manufacturing units. He explains that dense willow plantations once grew along stream banks and wetlands across the region.

According to him, rainfall has reduced and snowfall has become uncertain, even during Chilla-e-Kalan, the 40-day winter period traditionally associated with heavy snow. As streams and water bodies dry up, local willow plantations have declined sharply.

"There is almost no willow left in our area now," he says. "We bring wood from northern districts like Bandipora, Baramulla and Kupwara, but supplies are declining there as well because plantation is not happening on a large scale."

Three decades ago, farmers commonly planted willow along rivers, streams and moist lands. Once mature, the trees provided a steady return, as willow wood is used to make cricket bats. That practice has largely stopped.

"These lands have dried completely," says Mohammad Ayoub, a farmer from south Kashmir. "Planting willow, which needs a lot of water, is not practical now."

Ayoub explains that willow grown on dry land produces inferior wood and becomes vulnerable to pests. Given the long time required for the tree to mature, farmers are unwilling to invest without assured water availability.

Wood merchants are also feeling the impact of shrinking local supply. Fayaz Ahmad Wani, a timber trader, says that sourcing willow has become difficult even in districts that were earlier considered resource-rich.

"When willow is not available locally, we have to buy it from northern Kashmir, but availability is declining there too," he says, attributing the trend to changing climate conditions and reduced snowfall.

The shortage of raw material has directly affected employment. "Earlier, a unit would employ around 20 workers," Fayaz says. "Now many units operate with 10 or fewer workers due to lack of work."

Sangam, about 50 kilometres south of Srinagar on the border of Pulwama and Anantnag districts, is also home to the GR8 bat manufacturing company, the only International Cricket Council (ICC)–approved bat manufacturer in Kashmir.



The Valley received little snowfall this time, allowing production to continue through months that were earlier marked by harsh weather and work stoppages. Industry stakeholders say this reflects a deeper shift in climate patterns that is affecting the very resource the industry depends on.

GR8 bats gained international attention during the 2022 T20 World Cup when United Arab Emirates (UAE) batter Junaid Siddique hit a 109-metre six using a Kashmir-made bat.

Kabeer, CBMAK spokesperson who is owner of GR8, says the industry is facing a raw material crisis. "Willow cultivation has declined steadily over the years," Kabeer says. "Despite the importance of this tree, farmers are reluctant to grow it again."

He stresses the need for a plantation policy and points to increased pressure from other wood-based industries such as pencil and plywood manufacturing.

Kabeer explains that Salix alba, commonly known as white willow, is the primary species used for Kashmir willow bats. It is a riparian tree that grows best in moist soil and is typically found along rivers, streams, nullahs and wetlands. Around 80 per cent of the raw material for bat manufacturing comes from such areas. "For more than a century, we have been cutting trees without adequate replantation," he says. "This has led to a shortage that threatens the future of the industry."

According to Kabeer, rising temperatures have reduced groundwater levels, while plantation efforts have remained limited. He says raw material supplies have declined by nearly 75 per cent over the past four years, with south Kashmir almost entirely depleted of usable willow.

"If this continues, the industry could face closure within the next 3-4 years," he says.

Abdul Qayoom Bagaw, a veteran cricketer who played first-class cricket for Jammu and Kashmir and later served as a coach for the state association, draws a sharp distinction between Kashmir willow and its English counterpart.

The difference lies not just in wood quality but in cultivation practices. "In England, willow is grown specifically for the bat industry," he says. "The trees are farmed with consistent grain structure suited to cricket bat requirements. Here in Kashmir, willow grows naturally — not in cultivated farms — which results in varying grain patterns across different trees."

Bagaw adds that the lack of professional seasoning facilities in Kashmir is another limiting factor. While English willow benefits from a controlled drying process, Kashmir willow does not receive the same treatment, affecting the final quality of the bat. He argues that with proper farming methods and seasoning infrastructure, Kashmir willow could be made more competitive, but water scarcity and the decline of natural willow growth have made even basic cultivation increasingly difficult. Yet the wood's potential remains evident. The 109-metre six struck by UAE batter Siddique at the World Cup using a GR8 bat made in Sangam is a testament to what the wood is capable of when crafted well. With the right investment in cultivation and processing, Kashmir willow does not need to play second fiddle to its English counterpart, he says.

Parvez Rasool, Jammu and Kashmir's first cricketer to represent India at the international level, echoes this confidence.

He points out that affordability plays a significant role in their popularity among local and domestic players, as Kashmir willow bats are considerably less expensive than English willow alternatives, making quality equipment accessible to a wider pool of cricketers.

But the appeal of Kashmir willow is not limited to budget conscious players.

"Kashmir willow bats have reached the highest levels of the game," he says. During his time at the top level, Rasool saw Sri Lankan all-rounder Thisara Perera among several international players who chose Kashmir willow bats.

For Rasool, this is proof that the wood, when properly crafted, can meet the demands of elite cricket. "The bat has gone to the best of levels," he says. "That itself tells you what this wood is capable of."

Shift in land use and plantation choices

According to environmentalist and climate expert Mohammad Anees, the wood of Salix alba has historically been used for baskets, firewood and various household purposes, and the tree was cultivated wherever water bodies existed. He says the tree requires moderate temperatures, ideally not exceeding 20 to 25 degrees Celsius (°C), along with highly saturated soil conditions. Willow has a shallow root system, rarely extending beyond 1.5 metres, making it dependent on surface and near-surface water.

"This is why willow grown near ponds, wetlands and streams produced wood of suitable density for bat making," he says.

According to Anees, the Green Revolution period in the mid-1970s marked a shift in plantation choices. Farmers began favouring varieties that offered quicker financial returns. As temperatures rose and short-duration droughts became more frequent, willow productivity and wood quality declined.

"Farmers did not receive expected revenue and gradually shifted to other species like Russian poplar," he says. "Poplar is more drought-resistant and its wood quality is less affected by water stress."

Anees adds that over the past 20-25 years, average temperatures in the region have increased by around 2.5°C, based on available data. While poplar tolerates dry conditions, willow growth and harvest are directly affected by water shortages.

According to Anees, the areas that were considered suitable for willow cultivation two decades ago are no longer viable.

(Courtesy: DTE)

Why UP Gets Safe Reuse of Treated Water Policy, 2026

A couple of weeks, the Uttar Pradesh cabinet has approved a Safe Reuse of Treated Water Policy, 2026 for India's largest state, marking a significant milestone in the country's journey towards sustainable and resilient water management. The policy lays out a clear and ambitious roadmap in five phases. In phase 1, by 2030, it will aim for 50 per cent safe reuse of treated used water in places where sewage treatment plants (STPs) are operational and collection and treatment capacity already exists. In phase 2, it will try to achieve 100 per cent safe reuse in these same places.

In phase 3, by 2030, it proposes to safely reuse 30 per cent of treated used water in places where STPs do not exist or are non-operational. In phases 4 and 5, the policy will target to reuse 50 per cent by 2035 and 100 per cent by 2045 respectively, in these same places.

By promoting the reuse of treated water across key sectors such as agriculture, industry, construction, and urban landscaping, the state aims to substantially reduce dependence on freshwater sources and curb excessive groundwater extraction.

According to the experts, the policy signals a paradigm shift from conventional 'treat-and-dispose' practices to a circular economy approach, where wastewater is recognised as a valuable resource. This approach is expected to not only enhance water security but also contribute to long-term environmental sustainability and economic efficiency. A notable strength of the policy is its focus on decentralised and city-level planning through City-Level Reuse Action Plans (CLRAPs). These plans are designed to guide urban local bodies in identifying reuse opportunities, mapping demand, and in developing the necessary infrastructure to ensure effective utilisation of treated wastewater.



Cities such as Agra and Prayagraj have already initiated this transition through the preparation of CLRAPs, with technical support from CSE and funding support from the National Mission for Clean Ganga (NMCG). These plans demonstrate how reuse strategies can be operationalised on the ground by identifying sector-specific reuse pathways and establishing a clear framework for systematic and financially viable scale-up.

In Prayagraj, four proposed projects worth Rs 1,625 crore aim to enable reuse of 126.45 million litre a day (MLD) of treated water, while in Agra, three projects worth Rs 93 crore will target the reuse of 28 MLD.

Warli Painting: A Living Link to Ancient Traditions

Madhukar Rambhau Vadu began practicing Warli painting at the age of eight and has been devoted to the art for nearly 5 decades. Now 56, he is not simply an artist but also a writer, a researcher, and a devoted custodian of a tradition he has spent his life decoding. His passion is exploring and researching the invisible thread that connects prehistoric cave paintings and ancient petroglyphs to Warli art.

Warli painting, a folk art tradition from Maharashtra, is practised by the Warli tribe. With possible roots in the 10th century AD or even the Neolithic era (2,500–3,000 BC), it reflects a deep connection to nature. Farming sustains the tribe, making natural elements central to their art. Traditionally, the artists use clay hut walls as canvases, much like ancient cave paintings, to depict their culture and reverence for nature. Using white pigment made from rice paste, they distil the complexity of everyday existence



into elemental geometric forms—circles, triangles, and squares—depicting scenes of farming and hunting, village rituals, and the spirited Tarpa dance. Each painting is, in essence, a conversation between the community and the natural world it inhabits.

Madhukar, events like the Tribes Art Fest are not simply exhibitions—they are acts of cultural advocacy. He believes such festivals need to happen more frequently, and in more parts of the country, if tribal art traditions are to truly reach the audiences they deserve.

The art form is famous for its signature technique of using intricate patterns of dots and lines that fill every shape, giving compositions a rhythmic, almost musical quality. The paintings are not decorative exercises but narratives grounded in folklore, community memory, and the deep ecology of forest life.

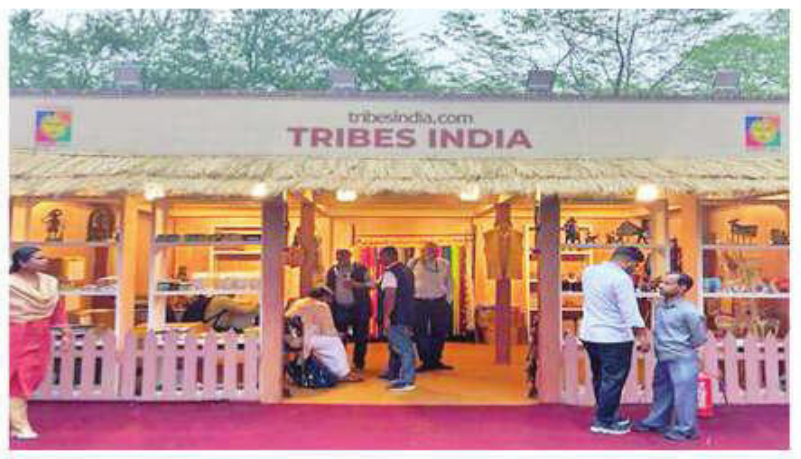
From Forest to Nation

India's tribal communities are redefining their place in the global economy, transforming forest-based livelihoods into sustainable, high-value products that resonate with modern consumers. This shift from subsistence to enterprise reflects a broader reimagining of tribal economies, where tradition is no longer isolated but integrated into national and global markets.

This transformation is vividly showcased at the Bharat Tribes Fest 2026, being held from 18–30 March 2026 at Sunder Nursery, New Delhi. Envisioned by the Tribal Cooperative Marketing Development Federation of India (TRIFED) in association with the Ministry of Tribal Affairs, the festival serves as a national platform where India's tribal heritage comes alive in its most dynamic form. Celebrating craft, culture, entrepreneurship, and livelihoods, it brings tribal traditions to the forefront of the country's cultural and economic landscape.

This transformation is driven by targeted policy interventions, including RISA: A Premium Tribal Brand, alongside programmes like the Van Dhan Yojana and the Tribes India network. Tribal artisans are transitioning from forest-based livelihood economies to active participation in global value chains. What emerges is a story that is equal parts heritage and ambition, where forests meet fashion, and ancient skills find their true market value.

India's tribal economy is being systematically reshaped through institutional frameworks that combine livelihood security with market access. The Government has recognised that tribal communities, among the nation's most skilled artisans, require more than support; they need empowerment. This



means enabling a structural transformation from mere suppliers of raw materials to creators and owners of brands that can command premium prices in global markets. The TRIFED-led Tribes India network directly connects tribal producers to urban consumers, eliminating intermediary chains. Van Dhan Vikas Kendras (VDVKs) are community-owned centers launched by the Ministry of Tribal Affairs and TRIFED to promote sustainable livelihoods for tribal gatherers. They focus on value addition, processing, and branding of Minor Forest Produce (MFP) to enhance tribal incomes. Each VDVK cluster is structured as a federation of 15 tribal Self-Help Groups (SHGs), also known as Van Dhan Kendras. Each SHG comprises up to 20 tribal Non-Timber Forest Produce (NTFP) gatherers or artisans, bringing together nearly 300 beneficiaries within a single cluster and enabling collective enterprise development.

This model enables collective procurement, shared processing infrastructure, skill development, and stronger market linkages, thereby enhancing efficiency and bargaining power. Women in Bastar who process mahua or tamarind are no longer just cultivators; they are emerging as micro-entrepreneurs integrated into formal value chains. At the same time, RISA is elevating tribal craftsmanship, repositioning it as a premium offering in the global marketplace. Tribal producers bring raw forest produce, minor forest produce and handicrafts to these Van Dhan Vikas Kendra centres where quality-grading, value addition, packaging and documentation is done. From there, the products move through Tribes India's retail network- stores in major airports and premium malls, as well as e-commerce platforms, before reaching international buyers and fair-trade markets.

TRIFED has also forged partnerships with design institutions, including the National Institute of Fashion Technology (NIFT), to ensure that traditional craft forms are adapted for contemporary consumer preferences without diluting their cultural authenticity. A Dokhra pendant from Chhattisgarh, once sold for a nominal sum to a local intermediary, now commands several times that value under its own certified identity.



Alia Bhatt, Ranbir Kapoor fly out with Raha ahead of 4th anniversary

Bollywood star couple Alia Bhatt and Ranbir Kapoor were spotted at the Mumbai airport on Monday night, along with their little baby girl Raha.

The couple along with their daughter seems to have flown out to celebrate their 4th wedding anniversary on April 15.

In the video, Alia looked stylish in her loose beige shirt paired with comfortable trousers and sneakers. Ranbir seemed to opt for casual in a T-shirt and pants.

Before the security check, little Raha appeared quite sleepy and was seen being carried by Alia in her arms.

Post security check, Raha suddenly seemed to have woken up and turned active, and was seen running around at the airport.

Alia was seen following her around, trying to catch hold of her in a playful moment.

Talking about the superstars' Alia Bhatt and Ranbir Kapoor's love story, it began on the sets of their movie Brahmastra Part One: Shiva.

The movie that was directed by Ayan Mukerji, released in 2022.

The couple managed to keep their relationship away from the media spotlight for the longest time. After dating for a few years, the couple tied the knot on April 14, 2022, in an intimate ceremony at their Mumbai home with just their close friends and family members in attendance.

A few months later in the same year in June, they announced their first pregnancy, and welcomed their daughter Raha on November 6, 2022.

Alia, in many of her interviews has always spoken about how amazing Ranbir Kapoor is as a husband and is an even better father. By marrying Ranbir Kapoor, Alia has become a part of Bollywood's prestigious Kapoor family.

Salman Khan backs Rajpal Yadav after awards show snub

Bollywood superstar Salman Khan has come out in support of Rajpal Yadav after the latter was allegedly humiliated during a recent award show.

On Tuesday, the superstar took to his X, formerly Twitter, and shared a long note in which he spoke about the actor's craft and the value that he adds to any film.

He wrote, "Rajpal bhai aap 30 yrs se kaam kar rahe ho aur hum sabne aapko repeat kiya hai baar baar kyunki aap apna kaam jante ho aur ek value laate ho, kaam toh aapko bohot milega aur issi dollar rate pe milega aur milte rahega. Hakikat yeh hai. Aur yeh yaad rakhna ke kabhi kabhi flow mai kuch nikal aata hai, dena hi hai toh dimag mai rakho dil se kaam karo , dollar upar ho ya neeche kya farak padta hai dena toh India mai hi hai @rajpalofficial (You have been working for 30 years and we have all repeated you again and again because you know your work and bring value. You will get a lot of work, and it will be at this dollar rate and will keep coming. The truth is this. And remember that sometimes something comes out in the flow, if you have to give, keep it in your mind and work with



your heart, whether the dollar is up or down, it doesn't make a difference, the remuneration for your work will be given in India)".

During the awards ceremony, the host made a snide remark on Rajpal Yadav pointing to his case of financial irregularities, saying, "Dollar ka rate kitna bhi upar neeche ho jaaye apko paise utne hi vapas lautaane hain (No matter how much the dollar rate fluctuates, you have to return the same amount of money)".

Rajpal Yadav was convicted in a cheque bounce case by the Delhi High Court. The actor was accused by Murli Projects Pvt Ltd over the default in repayment.

A few weeks ago, the court asked the actor if he had taken the loan to which he replied in positive. The court then told the actor that he was given several chances but he failed to comply. Rajpal Yadav said that in 2016, the judge said that a sum of Rs 10 crore 40 lakh had to be given. He said that he had brought papers of a friend's property worth Rs 28 crore. He further mentioned that he had given the money.

The actor said that the other party didn't want the money in return but they wanted him to be sent to jail. He argued that when he went to jail, he served his sentence, and the whole debate should end now as he has legally complied. He also informed that Rs 22 crore was spent on the film and not Rs 5 crore as claimed by the other party.



Jasmine Sandlas ups the game, struggles to pick songs

Punjabi singing sensation Jasmine Sandlas, who is currently riding high on the success of her latest musical work for "Dhurandhar" duology, is both thrilled and overwhelmed as her expanding setlist makes it tough to curate a perfect setlist for her gigs. Jasmine took to Instagram, where she shared two pictures of herself and spoke about how she cannot wait to sing songs such as Main Aur Tu and Jaiye Sanjna to name a few in her live shows.

She wrote: "My setlist just got so much bigger. It's gonna so be hard to choose what songs to sing and which ones to leave out. I can't wait to sing this song at my next show. Main aur Tu. Oye Oye. Vaari Jaavan. And of course 'jaiye sajna'."

From Main Aur Tu to Jaiye Sajna, the tracks from Aditya Dhar's duology is currently going viral on social media. Talking about Jaiye Sajna, it is sung by Jasmine and Satinder Sartaaj. It is featured in "Dhurandhar-The Revenge" picturised on Ranveer Singh, R. Madhavan and Sanjay Dutt in pivotal roles.

The first installment of the duology was titled "Dhurandhar" and hit the screens in 2025. It revolves around high-stakes in a covert counter-terrorism operation.

"Dhurandhar", which also stars Akshaye Khanna, follows an undercover Indian intelligence agent who infiltrates Karachi's criminal syndicates and political power structures in Pakistan in an effort to dismantle a terror network targeting India.

Meanwhile, Dhurandhar: The Revenge, which hit the screens in March, follows an undercover Indian intelligence agent who continues to infiltrate Karachi's criminal syndicates and Pakistani politics while avenging the 26/11 attacks and confronting bigger threats. It is loosely inspired from myriad conflicts and events such as 2014 Indian general election, Operation Lyari, 2016 Indian banknote demonetisation and various other events.



Karisma Kapoor reveals Raj Kapoor's real name & the story behind Ranbir Kapoor's name

The latest episode of the singing reality show Indian Idol will feature Bollywood star Karisma Kapoor revealing the secrets behind the iconic pet names of the Kapoor family.

Host Aditya Narayan asked Karisma Kapoor to share something about Shammi Kapoor. Responding to it, Karisma said, "Ek trivia main bataun? Kya kisi ko pata hai Shammi uncle ka real name kya tha?"

She then revealed, "Unka naam tha Shamsher Raj Kapoor lekin unka pet name Shammi Kapoor itna popular ho gaya ki wahi naam sabne apna liya."

Adding another interesting anecdote, Karisma said, "Mera ek aur trivia hai Ranbir ka naam Ranbir Kapoor hai, lekin yeh naam kahan se aaya?" To this, Geeta Kapur replied, "Aapke dada ji se." Karisma confirmed, "Ji, Ranbir Raj Kapoor."

Join-ing the conversation, Vishal Dadlani added, "Just to clarify, Raj ji ka poora naam tha Ranbir Raj Kapoor."

Karisma concluded on a note, "Toh yeh joh pet names ka silsila hain, woh hamare family mein chalta aa raha hain Lolo, Bebo, Dabboo aur Chintu."

Talking about Karisma Kapoor, the actress is the daughter of stars Randhir Kapoor and Babita. She is the granddaughter of legendary actor Raj Kapoor and grand niece of stars Shammi Kapoor and Shashi Kapoor.

Kareena Kapoor is the younger sister of Karisma Kapoor.

The actress was a superstar in the 90s era of Bollywood.

From movies like Hero No. 1, Saajan Chale Sasural, Shakti, Fiza and many more, Karisma always proved her acting prowess.



Shreya Ghoshal poses with Ranveer Singh, Shiladitya calls it 'wholesome'



Bollywood superstar singer Shreya Ghoshal took to her social media account to share a picture with her husband Shiladitya Mukhopadhyay and Bollywood superstar Ranveer Singh.The star singer was posing candidly with Ranveer Singh and her husband standing between them. She captioned it as, "The last week felt so wholesome. Surrounded by friends, masters of music, and family.

@shankar.mahadevan @ehsaan @loymendonsaofficial @arrahman @sachintendulkar @ranveersingh @ojasadhiya @osman.mir @aamir_o_mir @mame_khan #ganeshchandanshive @bishwajitghoshal @sarmistl."

Shreya also shared a few other pictures from the event as well.

In the first picture, Shreya is seen posing with stalwart musicians Shankar Mahadevan, AR Rahman, Eshaan, Loy, and others.

The trio is seen smiling for the camera. The second picture shows the singer posing with Osman Mir and her son.

Talking about Shreya Ghoshal, the singer has been a part of the music industry for over two decades. The actress, who is currently seen on the singing reality show, Indian Idol in the capacity of a judge, is being loved for her intricate and precise style of judging.

The actress made her Bollywood debut with Sanjay Leela Bhansali's movie Devdas.

Her first official song in Bollywood was Bairi Piya which featured Aishwarya Rai and Shah Rukh Khan. On the personal front, Shreya Ghoshal got married to her high school love Shiladitya Mukhopadhyaya on 5th February, 2015 in an intimate ceremony in Mumbai. They welcomed their first child, a baby boy in 2021. They have named him Devyaan.

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

अन्तर्राष्ट्रीय

संभल
गुरूवार, 09 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

संक्षिप्त समाचार

पीएनजी हुई महंगी आईजीएल ने बढ़ाए दाम



नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है। एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है।नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

एयर इंडिया के टिकट आज से महंगे होंगे



नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया और उसकी सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बुधवार 08 अप्रैल से टिकट पर ईंधन शुल्क बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि देश में और वैश्विक स्तर पर विमान ईंधन की कीमतों में पिछले कुछ समय में आयी तेजी को देखते हुए ईंधन शुल्क बढ़ाना अनिवार्य हो गया था। घरेलू मार्गों पर 08 अप्रैल या उसके बाद बुक करायी गयी टिकटों पर पांच सौ किमी तक की दूरी के लिए 299 रुपये ईंधन शुल्क लगेगा। इससे अधिक और एक हजार किमी तक की दूरी के लिए ईंधन शुल्क 399 रुपये रखा गया है।

उड़ान ड्यूटी समय सीमा में अस्थायी रूप से दी ढील

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों की उड़ान ड्यूटी समय सीमा में अस्थायी रूप से ढील दी है। एयरलाइन नियामक डीजीसीए ने लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों की उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में अस्थायी रूप से ढील दी है, एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। डीजीसीए का यह कदम सुचारू संचालन के लिए पायलटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव असंगबा चुबा आओ ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान इस बदलाव की जानकारी दी है।

[कारोबार] शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन तेजी रही

सेंसेक्स 510 अंक चढ़कर 74616 पर बंद, निफ्टी 23 हजार के पार

■ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे दिन तेजी देखी गयी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक करीब दो सप्ताह के बाद 23 हजार अंक के पार बंद हुआ।

शुरुआती गिरावट के बाद बाजार में तेजी लौट आई। सुबह के कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स एक समय 800 अंक से ज्यादा लुढ़क गया था, लेकिन दोपहर बाद कम कीमत पर हुई लिवाली से यह हरे निशान में लौट गया। सेंसेक्स अंत में 509.73 अंक (0.69 प्रतिशत) चढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त में 23,123.65 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 25 मार्च के बाद का उच्चतम स्तर है। एनएसई में जिन 3,314 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,082 के शेयरों में तेजी रही जबकि 1,147 कंपनियों के शेयर टूट गये। अन्य 85 कंपनियों के शेयर अंत में अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयर हरे निशान में रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 2.77 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। टीसीएस में 2.68 फीसदी, इंफोसिस में 2.60, भारती एयरटेल में 2.22, टेक महिंद्रा में 1.58, सनफार्मा में 1.43, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 1.30, आईटीसी में 1.27, आईसीआईसीआई बैंक में 1.21 और टाटा स्टील में 0.99 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस और एक्सिस बैंक के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। इंडिगो, अडानी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन के शेयर गिरावट में रहे।



वैश्विक बाजारों में मिलाजुला कारोबार

वैश्विक स्तर पर एशिया में हांगकांग का हैंग सेंग 0.70 प्रतिशत गिर गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.26 प्रतिशत की तेजी रही। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.26 प्रतिशत नीचे था।

छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी

मझौली कंपनियों में तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.43 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। वहीं, स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.06 प्रतिशत फिसल गया।

आईटी कंपनियों में तेज लिवाली रही

आईटी कंपनियों में दोपहर बाद लिवाली तेज होने से बाजार को समर्थन मिला। धातु, रियलटी, एफएमसीजी, निजी बैंकों और मीडिया कंपनियों के समूहों में भी तेजी रही। वहीं, सार्वजनिक बैंक और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह गिरावट में रहे।

पश्चिम एशिया संकट : ठंडा पड़ सकता है एसी का कारोबार

■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण इस साल एयर कंडीशनर (एसी) के कारोबार में सुस्ती देखी जा सकती है।

एयर कूलर, एयर कंडीशनर और रेफ्रीजरेटर बनाने वाली कंपनी ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी. त्यागराजन ने यहां मंगलवार को कंपनी के विभिन्न उत्पादों को पेश करने के मौके पर संवाददाताओं के प्रश्नों के उत्तर में कहा कि निश्चित रूप से ईरान युद्ध का असर एसी के कारोबार पर भी दिख सकता है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध के कारण ग्राहक धारणा प्रभावित हुई है। कच्चे माल की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। तांबे और इस्पात के दाम बढ़े हैं और प्लास्टिक में भी तेजी देखी जा रही है। इन सभी कारकों से आने वाले समय में भारत में भी एसी का कारोबार प्रभावित होगा।

कंपनी ने ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के नये स्टार मानक लागू होने के बाद आज नये मानकों पर अपने 125 उत्पादों को बाजार में पेश किया। श्री त्यागराजन ने बताया कि घरेलू एसी बाजार में अगले पांच साल में 19 प्रतिशत की औसत दर से वृद्धि की संभावना है और साल 2030 तक कारोबार दुगुना होने की उम्मीद है।



उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि आज युद्ध समाप्त हो गया तो सबकुछ ठीक हो जायेगा। दूसरी कॉमोडिटी के दाम बढ़ सकते हैं, बेरोजगारी बढ़ सकती है जिसका असर बाजार पर दिखेगा। विशेष रूप से बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान देना वाला मध्यम वर्ग और पहली बार एसी खरीदने वाले ग्राहक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल बिक्री कैसी रहेगी यह ईरान युद्ध के साथ गर्मी कैसी रहती है, इस पर भी निर्भर करेगा। ब्लू स्टार के उपाध्यक्ष (विपणन) गिरीश हिंगोरानी ने बताया कि कंपनी ने विभिन्न स्थानों, मौसम और ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से चार तरह के प्रीमियम एसी पेश किये हैं। सुपर एनर्जी एफिसिएंट एसी उनके लिए है जो लंबे समय तक एसी चलाते हैं। एसी तापमान के हिसाब से खुद टनेज कम कर ऊर्जा बचाता है। हैवी ड्यूटी एसी 43 डिग्री सेल्सियस तापमान पर भी 100 प्रतिशत दक्षता के साथ काम करता है। यह 56 डिग्री सेल्सियस तक पूरी कूलिंग देने में सक्षम है।

निवेश की कोई योजना नहीं बनाई

श्री त्यागराजन ने बताया कि पश्चिम एशिया से प्रवासी भारतीयों द्वारा स्वदेश भेजे जाने वाले धन में कमी का असर केरल में स्पष्ट दिखना शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी फिलहाल 14 प्रतिशत से कुछ कम है और उसका लक्ष्य इस साल 15 प्रतिशत पर पहुंचना है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत निवेश की कोई योजना नहीं बनायी है, हालांकि उसने अनुसंधान एवं विकास के लिए 40 करोड़ रुपये और विपणन एवं विज्ञापन के लिए 60 करोड़ रुपये का बजट तय किया है।

मॉर्गन ने भारत की वृद्धि का अनुमान घटाया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया और पश्चिमी देशों की कठिन परिस्थितियों के मद्देनज वित्त और निवेश के कारोबार में लगे वैश्विक संगठन मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के वास्तविक जीडीपी में वृद्धि के अनुमान को प्रतिशत 0.30 अंक घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले संगठन ने 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया था। मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहेगी तथा गैस की उपलब्धता एक अतिरिक्त बाधा होगी। मॉर्गन स्टेनली ने कहा कि ईंधन की बढ़ती कीमत और औद्योगिक आपूर्ति में कमी से उत्पादन के संसाधनों की लागत बढ़ रही हैं और चुनिंदा वस्तुओं के उत्पादन में कटौती करनी पड़ रही है। रुपये की कमजोरी के बीच आयातित महंगाई बढ़ रही है। उत्पादन की उच्च लागत, मुद्रा की कमजोरी और खाद्य/मुख्य वस्तुओं की कीमतों में मजबूती के कारण वित्त वर्ष 27 में औसत खुदरा मुद्रास्फीति साल-दर-साल आधार पर बढ़कर 5.1 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। तेल की ऊंची कीमतों के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में चालू खाते का घाटा (कैड) प्रतिशत लगभग 1.50 अंक बढ़कर जीडीपी के लगभग 2.5 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 2 लाख पर पहुंची

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 83.63 प्रतिशत उछलकर 1,99,923 इकाई पर पहुंच गयी।

वाहन डीलरों के संगठन फाडा द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स एक बार फिर सबसे आगे रही। उसकी बिक्री 36 प्रतिशत बढ़कर 78,811 इकाई पर पहुंच गयी।



सबसे लंबी छलांग महिंद्रा ने लगायी जिसकी बिक्री 407 प्रतिशत बढ़कर 42,721 इकाई हो गयी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री 74 फीसदी की वृद्धि के साथ 53,089 इकाई रही। खास बात यह रही कि यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी एक साल पहले के 2.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.2 प्रतिशत पर पहुंच गयी। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 देश की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की यात्रा में उल्लेखनीय साल रहा। दुपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन मिलाकर तकरीबन 24.52 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 24.6 प्रतिशत अधिक है। हर खंड में दहाई दर से वृद्धि हुई है। इलेक्ट्रिक दुपहिया की बिक्री 22 प्रतिशत बढ़कर 14,01,818 इकाई पर पहुंच गयी। टीवीएस मोटर ने 3,41,513 इकाई के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया।

सोना-चांदी के दामों में गिरावट

■ सोना 1.49 लाख और चांदी 2.30 लाख के पार

■ नई दिल्ली

सोना और चांदी के भाव में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों की कीमतों पर दबाव बना रहा, जिससे निवेशकों में सतर्कता का माहौल नजर आया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का जून वायदा कॉन्ट्रैक्ट 222 रुपये की गिरावट के साथ 1,49,759 रुपये पर खुला। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 1,49,981 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय सोना 181 रुपये की कमजोरी के साथ लगभग 1,49,800 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान इसने 1,49,823 रुपये का उच्च स्तर और 1,49,625 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोना 1,80,779 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच चुका है। वहीं चांदी के मई वायदा कॉन्ट्रैक्ट में भी सुस्ती देखने को मिली। यह 1,379 रुपये की गिरावट के साथ



2,32,000 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,33,379 रुपये था। कारोबार के दौरान चांदी करीब 804 रुपये टूटकर 2,32,575 रुपये के आसपास ट्रेड करती नजर आई। इस दौरान इसका उच्च स्तर 2,32,575 रुपये और निचला स्तर 2,31,800 रुपये रहा। इस वर्ष चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर तक जा चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का रुख बना रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,678.60 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में गिरकर 4,671.40 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं चांदी 72.86 डॉलर पर खुलकर 72.58 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करती दिखी। कुल मिलाकर, वैश्विक संकेतों के दबाव में सोना और चांदी दोनों में आज गिरावट का रुख देखने को मिला।

दिल्ली थोक जिंस बाजार

गेहूं में नरमी, दालों- तेलों में उतार-चढ़ाव

■ नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव टूट गया। गेहूं में भी नरमी देखी गयी। चीनी की कीमत गत दिवस के स्तर पर अपरिवर्तित रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 11 रुपये घटकर 3,845 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं पांच रुपए सस्ता हुआ और 2,780 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल उतर गई।

दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। तुअर दाल औसतन 15 रुपये और चना दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मूंग दाल में 16 रुपये की गिरावट रही। उड़द दाल और मसूर दाल की कीमत कमोबेश गत दिवस के स्तर पर पड़ी रही।

विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 45 रिंगिट गिरकर 4,766 रिंगिट प्रति टन पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 70.39 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 43 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। वनस्पति 25 रुपये मजबूत हुआ। सूरजमुखी तेल और सोया तेल भी सात-सात रुपये महंगे हुए। सरसों तेल 48 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। मूंगफली तेल के दाम स्थिर रहे। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 12 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी गत दिवस के स्तर पर टिकी रही। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे।





दाल-दलहन : दाल चना 7685.36 रुपये, मसूर काली 8072.93 रुपये, मूंग दाल 10141.85 रुपये, उड़द दाल 10787.36 रुपये, तुअर दाल 11272.35 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2779.81 रुपये और चावल 3844.87 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3268.86 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 4300.46 रुपये और गुड़ 4979.16 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 17775.14 रुपये, मूंगफली तेल 18810.26 रुपये, सूरजमुखी तेल 17405.68 रुपये, सोया तेल 14678.71 रुपये, पाम ऑयल 13452.59 रुपये और वनस्पति 14830.88 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर ही टिके रहने की उम्मीद

■ नई दिल्ली

आने वाली मौद्रिक नीति बैठक से पहले एक बार फिर नजरें आरबीआई पर टिक गई हैं। इस बार भी केंद्रीय बैंक कोई बड़ा कदम उठाने के मूड में नहीं है। तमाम दबावों के बावजूद रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर ही टिके रहने की उम्मीद है। फरवरी 2025 से लगातार कटौती के बाद अब आरबीआई जैसे ठहर कर हालात को समझना चाहता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव ने नई चिंता खड़ी कर दी है। ईरान से जुड़े हालात ने कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ला दिया है, सप्लाई चेन पर असर पड़ा है और ऊपर से रुपये की कमजोरी ने आयात को महंगा बना दिया है। ये सारे संकेत महंगाई के दबाव को बढ़ाने वाले हैं। लेकिन राहत की बात यह है कि रिपोर्ट इसे स्थायी संकट नहीं मानती, बल्कि एक अस्थायी झटका बताती है। एक तरफ महंगाई सिर उठा रही है, दूसरी तरफ अर्थव्यवस्था को सहारे की



जरूरत है। ऐसे में ऋद्धि के लिए फैसला आसान नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक इस बार सख्ती नहीं, बल्कि संतुलन की नीति अपनाई जा सकती है। यानी महंगाई को काबू में रखते हुए ग्रोथ को भी कमजोर नहीं होने देना है। हालांकि महंगाई के अनुमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन ग्रोथ के मोर्चे पर आरबीआई ज्यादा बदलाव नहीं करेगा। वित्त वर्ष 2027 के लिए वृद्धि दर का अनुमान लगभग पहले जैसा ही रहने की उम्मीद है। साफ है कि केंद्रीय बैंक अभी हालात को लेकर सतर्क है, लेकिन घबराया नहीं है। वैश्विक हालात का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था पर भी दिखने लगा है। कंपनियों के मुनाफे पर दबाव आ सकता है, निवेश की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

आम आदमी की थाली पर गैस संकट का असर

भोजन की थाली हुई सस्ती : टमाटर ने बिगाड़ा बजट, प्याज-आलू से राहत

■ नई दिल्ली

बढ़ती महंगाई के बीच आम आदमी की रसोई और उसके बजट से जुड़ी एक अहम खबर सामने आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंटेलिजेंस की रोटी राइस रेट नाम की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में घर पर पकाई जाने वाली खाने की थाली की कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला है। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत की कीमतों के आधार पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि किन चीजों ने आपकी थाली को महंगा किया और किनसे आपको राहत मिली।

सालाना आधार पर मार्च 2026 में मांसाहारी थाली की कीमत में 1 प्रतिशत की गिरावट



आई है। वहीं, शाकाहारी थाली की कीमत पिछले साल के मुकाबले पूरी तरह स्थिर रही है। हालांकि, यदि मासिक आधार पर तुलना करें, तो शाकाहारी थाली 3 प्रतिशत और मांसाहारी थाली 2 प्रतिशत सस्ती हुई है। सब्जियों के मोर्चे पर प्याज और आलू ने आम आदमी को बड़ी राहत दी है। सालाना आधार पर प्याज की कीमतों में 25 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसका मुख्य कारण रबी और लेट खरीफ फसल की एक साथ बंपर पैदावार, कमजोर निर्यात और ज्यादा सप्लाई है। इसी तरह, होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर से मांग कम होने के कारण आलू की कीमतें भी 13 प्रतिशत गिर गई हैं। शाकाहारी थाली का बजट मुख्य रूप से टमाटर ने बिगाड़ दिया है। मार्च 2025 में जो टमाटर 21 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, वह मार्च 2026 में 33 प्रतिशत महंगा होकर 28 रुपये प्रति किलो हो गया है। दरअसल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बुवाई में देरी के कारण टमाटर की पैदावार और बाजार में इसकी आवक बुरी तरह प्रभावित हुई है। मांसाहारी थाली के सस्ता होने का सबसे मुख्य कारण ब्रॉयलर (मुर्गे) की कीमतों में कमी आना है। एक मांसाहारी थाली की कुल लागत में ब्रॉयलर की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत होती है। सालाना आधार पर ब्रॉयलर की कीमतों में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे पूरी मांसाहारी थाली की कीमत नीचे आ गई।दालों के मोर्चे पर आम आदमी के लिए राहत की खबर है। मासिक आधार पर दालों की कीमतों में छह प्रतिशत की कमी आई है। रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-जून मार्केटिंग वर्ष के लिए अरहर का स्टॉक इस साल 20 प्रतिशत ज्यादा रहने का अनुमान है। वहीं, जनवरी-दिसंबर मार्केटिंग वर्ष के लिए चने का स्टॉक भी लगभग 10 प्रतिशत ज्यादा है। इसी ज्यादा स्टॉक के कारण दालों की कीमतों पर नीचे की ओर दबाव बना हुआ है।

टमाटर, खाद्य तेल और रसोई गैस से दिखा असर

टमाटर के अलावा रसोई गैस और खाद्य तेल ने भी रसोई का बजट बढ़ाया है। वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं के कारण खाद्य तेल की कीमतों में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा, लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमत भी 14 प्रतिशत बढ़ गई है। इन्हीं महंगे कारकों ने प्याज-आलू से मिलने वाली राहत को सीमित कर दिया। जहां एक तरफ आलू, प्याज और दालों के बेहतर स्टॉक ने रसोई का बजट सुधारने में मदद की, वहीं टमाटर, खाद्य तेल और रसोई गैस की महंगाई ने आम आदमी की जेब पर दबाव बनाए रखा। आने वाले समय में सब्जियों की पैदावार और वैश्विक सप्लाई चेन की स्थिति ही यह तय करेगी कि खाद्य महंगाई से आम आदमी को पूरी तरह राहत मिलेगी या नहीं।

अडानी पोर्ट्स का 50 करोड़ टन कार्गो का आंकड़ा पार

■ नई दिल्ली

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने 50 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने इसे एक असाधारण उपलब्धि बताया है।

गौतम अडानी ने कहा, 'एक खोजकर्ता के जीवन में कोई अंतिम मंजिल नहीं होती। केवल ठहराव के क्षण होते हैं जब आप तय की गई दूरी पर आश्चर्य से पीछे मुड़कर देखते हैं, और फिर अपने भीतर फिर से शुरुआत करने की शक्ति पाते हैं।' अडानी ने आगे कहा कि आज ऐसा ही एक पड़ाव है, जब एपीएसईजेड ने 50 करोड़ टन



कार्गो की असाधारण उपलब्धि हासिल कर ली है।

उन्होंने जोर दिया कि इस पैमाने की उपलब्धियां केवल संख्याओं के बारे में नहीं होतीं। यह कंपनी के परिचालन क्षमता और विस्तार को दर्शाता है। यह उपलब्धि अडानी पोर्ट्स के लिए एक मील का पत्थर है। यह भारत के समुद्री व्यापार में कंपनी की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताता है। यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है।